15 फरवरी 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सीएम नीतीश आज सिमरी के केशोपुर और राजपुर परसनपाह को देंगे बड़ी सौगात

2

मोदी का अमेरिका दौरा... भारत में स्थापित होंगे अमेरिका द्वारा डिजाइन किए गए परमाणु रिएक्टर

मोदी का दबदबा... वैश्विक मंच पर मजबूत होता भारत

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 फरवरी को अपनी दो दिवसीय अमेरिकी यात्रा को पूरा कर लिया। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ये पहला मौका था, जब पीएम मोदी ने अमेरिका की यात्रा की। अपनी यात्रा के आखिरी दिन पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर बातचीत की गई। व्यापार, ऊर्जा क्षेत्र, परमाणु रिएक्टरों समेत अन्य कई मुद्दों पर भी दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए। दोनों नेताओं की बैठक के बाद एक संयुक्त पीसी भी की गई। अमेरिकी यात्रा के दौरान ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परमाणु ऊर्जा में अपने विश्वास की पुष्टि की है। दरअसल, गुरुवार को व्हाइट हाउस में दोनों नेताओं की बातचीत के बाद उन्होंने भारत में अमेरिका द्वारा डिजाइन किए गए परमाणु रिएक्टरों पर बड़े पैमाने पर स्थानीयकरण और संभावित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। बता दें कि भारत और अमेरिका के बीच 2008 में ऐतिहासिक असैन्य परमाणु समझौतों पर हस्ताक्षर हुए थे। उस समय से वार्ता में कोई प्रगति नहीं हुई है। 21वीं सदी में कोई भी नया अमेरिकी परमाणु रिएक्टर भारतीय धरती पर नहीं पहुंचा। अब दोनों देशों के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए दोनों नेताओं ने अब न केवल बड़े रिएक्टर बनाने में बल्कि भारत में उन्नत छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर बनाने में भी रुचि दिखाई है।

भारत में रिएक्टर लगाने की तैयारी में अमेरिका: बता दें कि भारत सरकार और वेस्टिंगहाउस आंध्र प्रदेश के कोव्वाडा में छह 1,000 मेगावाट के परमाणु रिएक्टर बनाने की परियोजना पर भी चर्चा कर रहे हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका द्वारा डिजाइन और रिएक्टर को भारत को देने और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर कर के भारत में रिएक्टर बनाने को लेकर भी बात कही है।

क्या बोले पीएम मोदी: संयुक्त ब्रीफिंग के दौरान पीएम मोदी और ट्रम्प ने परमाणु रिएक्टरों के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति अधिनियम के लिए नागरिक दायित्व में संशोधन करने के लिए बजट 2025 की घोषणाओं का स्वागत किया। इस बयान के अनुसार सीएलएनडीए के अनुसार द्विपक्षीय व्यवस्था स्थापित करने का भी फैसला किया, जो नागरिक दायित्व के मुद्दे को संबोधित करेगा और परमाणु रिएक्टरों के उत्पादन और तैनाती में भारतीय और अमेरिकी उद्योग के सहयोग को आसान बनाएगा।

भारत और अमेरिका के बीच पांच प्रमुख डील

पहली डील- एफ35 स्टेल्थ फाइटर जेट रक्षा के क्षेत्र में भारत और अमेरिका के बीच में एक बड़ी डील हुई है। इस डील के तहत अब जाकर अमेरिका भारत को एफ35 स्टेल्थ फाइटर जेट उपलब्ध करवाने वाला है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे लेकर कहा कि इस साल ही अब भारत के साथ अपनी मिलिट्री सेल्स को काफी ज्यादा बढ़ाने जा रहे हैं।
दूसरी डील- अमेरिका India-Middle East-Europe Economic Corridor के लिए तैयार हो गया है। यह ऐसा गलियारा है जिसके जरिए शिया, अरब की खाड़ी, और यूरोप के बीच आर्थिक एकीकरण और कनेक्टिविटी को जबरदस्त बढ़ावा मिल सकता है।
तीसरी डील- डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी ने इस बात पर सहमति दे दी है कि भारत और अमेरिका के बीच में ट्रेड को डबल किया जाएगा। वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड 129 .2 बिलियन डॉलर चल रहा है, लेकिन 2030 तक इसी आंकड़े को 500 बिलियन डॉलर लेकर जाना है।
चौथी डील- एक बड़ी डील तेल और गैस की खरीद को लेकर हुई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिका तेल और गैस सप्लाई करने के मामले में भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बनने वाला है। एनर्जी के क्षेत्र में सहयोग को ऐतिहासिक रूप से बढ़ाया जाएगा।
पांचवीं डील- ट्रंप और मोदी के बीच में एक बड़ा ऐलान दो नए दूतावास खोलने को लेकर भी हुआ है। पीएम मोदी ने बताया है कि जल्द ही बोस्टन और लॉस एंजेल्स में दो दूतावास खुलने वाले हैं।

भ्रामक और फर्जी वीडियो पोस्ट करके सोशल मीडिया पर फैला रहे थे अफवाह

महाकुंभ को बदनाम करने वाले 54 सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ एफआईआर

- डीजीपी ने सभी से की अपील, फेक वीडियो और फर्जी खबरों को हर्गिज न करें पोस्ट और शेयर
- मिस्र की आग को महाकुम्भ की आग बताकर किया गया वायरल

केटी न्यूज/प्रयागराज

'महाकुम्भ 2025' की जहां एक तरफ पूरे विश्व में प्रशंसा हो रही है, वहीं दूसरी तरफ ऐसे तत्व भी कम नहीं है, जो सोशल मीडिया के जरिए फर्जी वीडियो और भ्रामक खबरें पोस्ट कर के सनातन धर्म के इस सबसे बड़े धार्मिक, सांस्कृतिक समागम को बदनाम करने में लगे हुए हैं। यूपी पुलिस ऐसे कुत्सित प्रयास करने वाले ऐसे 54 सोशल मीडिया अकाउंट्स के खिलाफ विधिक कार्रवाई की है, जो फर्जी और भ्रामक पोस्ट के जरिए जनता में अफवाह फैलाने का काम कर रहे थे।

13 फरवरी 2025 को सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान दो वीडियो को पुलिस ने विशेष संज्ञान में लिया, जिन्हें महाकुम्भ से जोड़कर भ्रामक रूप से प्रस्तुत किया गया था। इनमें 'मिस्र के अग्निकांड को महाकुम्भ की आग' बताते हुए पोस्ट किया गया था। यह वीडियो मिस्र में वर्ष 2020 में हुई एक तेल पाइपलाइन दुर्घटना का था, जिसे यह कहकर प्रसारित किया गया कि महाकुम्भ बस स्टैंड में आग लगी, 40-50 गाड़ियां जलकर राख हो गईं। इस अफवाह को फैलाने वाले सात सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ कोतवाली कुम्भ मेला में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है। वहीं दूसरे वीडियो में पटना की घटना को महाकुम्भ से जोड़ा गया। यह वीडियो बिहार में एक फिल्म प्रमोशन इवेंट के दौरान हुई अव्यवस्था का था, जिसे महाकुम्भ से जोड़कर यह अफवाह फैलाई गई कि कुम्भ में राष्ट्रवादी लोगों ने आर्मी जवानों पर चप्पलें फेंकी।

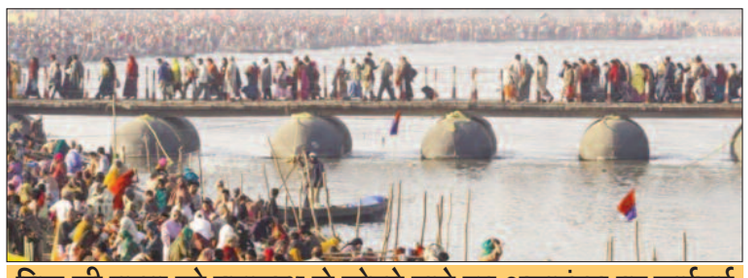

मिस्र की घटना को महाकुम्भ से जोड़ने वाले इन अकाउंट्स पर कार्रवाई

1- India With Congress (@UWCforYouth) एक्स (ट्विटर)
2- Harindra Kumar Rao (@kumar.harindra.rao) इंस्टाग्राम
3- Anil Patel (@_1_4_3_anil_patel) इंस्टाग्राम
4- Vishal Babu (@a.v.r_rider_0) इंस्टाग्राम
5- Nemi Chand (@nemichand.kumawat.2022) इंस्टाग्राम
6- Sifa Bhadoriya (@bhadoriya6285) इंस्टाग्राम
7- Hello prayagraj (@Hello_Prayagraj) यू-ट्यूब

पटना की घटना को महाकुम्भ का बताने वाले इन अकाउंट्स पर हुई कार्रवाई

1- Inderjeet Barak (@inderjeetbarak) एक्स (ट्विटर)
2- SUNIL (@sunil1997_) एक्स (ट्विटर)
3- Nihal Shaikh @mr_nihal_sheikh एक्स (ट्विटर)
4- Dimpi (@Dimpi77806999) एक्स (ट्विटर)
5- Sat Sewa (@lalitjawla76) एक्स (ट्विटर)
6- Sandesh Vatak News (@Sandeshvataksv) एक्स (ट्विटर)
7- lokesh meena (@LOKESHMEEN46402) एक्स (ट्विटर)
8- राज सिंह चौधरी @RajSingh_Jakhar एक्स (ट्विटर)
9- Yunus Alam (Facebook account)
10- Aminuddin Siddiqui (Facebook account
11- अरविंद सिंह यादव अहीरवाल (Facebook account)
12- Shivam Kumar Kushwaha (Facebook account)
13- Jain Renu (Facebook account)
14- Amit Kumar II (Facebook account)
15- मेहत्तर एक योद्धा बलिया (Facebook account)

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

13 जनवरी 2025 : एक ट्विटर अकाउंट ने फायर सर्विस की मॉक ड्रिल का वीडियो पोस्ट कर इसे वास्तविक आग की घटना बताया।
02 फरवरी 2025 : नेपाल के पुराने वीडियो को महाकुम्भ की भगदड़ का वीडियो बताकर पोस्ट करने पर सात अकाउंट पर कार्रवाई।
07 फरवरी 2025 : संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ को भगदड़ के रूप में दिखाने वाले एक फेसबुक अकाउंट पर एफआईआर।
09 फरवरी 2025 : झारखंड के धनबाद की घटना को महाकुम्भ से जोड़ने वाले 14 ट्विटर अकाउंट के विरुद्ध मुकदमा।
12 फरवरी 2025 : वर्ष 2021 में गाजीपुर में मिले शवों की तस्वीरों को महाकुम्भ से जोड़ने वाले सात अकाउंट पर कार्रवाई।

उप्र पुलिस ने अपनाई है विशेष रणनीति

महाकुम्भ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस ने साइबर पेट्रोलिंग की व्यापक रणनीति तैयार की है। इसके अंतर्गत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की सतत निगरानी की जा रही है। साथ ही भ्रामक पोस्ट की त्वरित पहचान करके उसका खंडन करना, अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके कानूनी कार्रवाई की जा रही है। डीजीपी ने सभी से की अपील कि फेक वीडियो और फर्जी खबरों को पोस्ट और शेयर न करें।

ट्रंप बोले... बांग्लादेश मामले को पीएम मोदी पर छोड़ता हूं

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश के मामलों में अमेरिका की किसी भी भूमिका से इनकार किया। इस मुद्दे पर मोदी और ट्रंप की द्विपक्षीय बैठक के दौरान चर्चा हुई, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पड़ोसी देश के घटनाक्रम के बारे में अपनी चिंताओं से उन्हें अवगत कराया। बांग्लादेश के मामलों में अमेरिकी डीप स्टेट की भूमिका पर ट्रंप ने ओवल ऑफिस में अपनी द्विपक्षीय बैठक की शुरूआत में कहा, खैर, हमारे डीप स्टेट की कोई भूमिका नहीं थी। यह कुछ ऐसा है जिस पर प्रधानमंत्री लंबे समय से काम कर रहे हैं और सैकड़ों सालों से इस पर काम कर रहे हैं। सच कहूं तो, मैं इसके बारे में पढ़ रहा हूं लेकिन मैं बांग्लादेश को प्रधानमंत्री मोदी पर छोड़ता हूं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, बांग्लादेश पर दिए गए बयान के बारे में हम क्या सोचते हैं। यह एक ऐसा विषय था जिस पर दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश में हाल के घटनाक्रमों और भारत द्वारा स्थिति को देखने के संबंध में अपनी चिंताएं साझा कीं। पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है, जिस पर भारत ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

मुजफ्फरपुर में दो वाहनों की टक्कर में दो लोगों की मौत

- मुजफ्फरपुर-देवरिया मुख्य सड़क मार्ग पर हुआ हादसा
- चार लोग गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर जिले में भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना जैतपुर थाना क्षेत्र इलाके के मुजफ्फरपुर-देवरिया मुख्य सड़क मार्ग के जगीरिया चौक के पास की है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि बोलेरो गाड़ी शहर से देवरिया जा रही थी और वैगनआर कार मुजफ्फरपुर शहर की ओर जा रही थी। इसी दौरान अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गई, जिसके बाद दोनों वाहनों के आगे के हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद मौके पर स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी और घायल हुए लोगों को वाहन से बाहर निकाला गया।

घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने अपने वाहन से सभी घायलों को इलाज हेतु सरैया पीएचसी में भर्ती कराया है। घटना में आधा दर्जन लोग घायल थे, जिसमें इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। जबकि अन्य घायल हुए हैं। इस दौरान मौके पर पहुंचे परिजनों में चीख पुकार मच गई। जैतपुर थाना क्षेत्र इलाके में हुई इस भीषण सड़क हादसे में जहां दो अधेड़ लोगों की मौत हो गई है। वहीं, चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिसमें दो की हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि सभी लोग लड़की को देखकर लौट रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ है। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराए जाने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा। घायलों को इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मामले में जैतपुर थाना के एसएचओ कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि मुजफ्फरपुर-देवरिया मुख्य सड़क मार्ग पर दो वाहनों में आमने-सामने की टक्कर हुई है। इसमें दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं, चार अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी लोग लड़की को देखकर लौट रहे थे, इसी दौरान हादसा हुआ है।

होली से पहले भाजपा को मिल सकता है नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में जोरदार जीत के बाद अब भाजपा में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की भागदौड़ शुरू हो गई है। होली से पहले पार्टी को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। इस बार चर्चा है कि पार्टी दक्षिण भारत से किसी नेता को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने पर विचार कर रही है, क्योंकि पार्टी का ध्यान अब दक्षिणी राज्यों पर है। दक्षिण भारत के नेताओं में के अन्नामलई व दग्गुबती पुरंदेश्वरी का नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे ज्यादा चर्चा में है। भाजपा के संविधान के मुताबिक, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी कराना संभव है जब देश के आधे से अधिक राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव हो जाएं। फरवरी 2025 के अंत तक 18 राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी।

किसानों और केंद्र के बीच वार्ता, नहीं निकला हल

एजेंसी/चंडीगढ़

एमएसपी की कानूनी गारंटी व अन्य मांगों को लेकर एक साल से शंभू व खनौरी सीमा पर धरना दे रहे किसानों की शुक्रवार को चंडीगढ़ में केंद्र सरकार से अहम वार्ता हुई। शुक्रवार को लगभग तीन घंटे तक चली बैठक में दोनों तरफ से कोई हल नहीं निकल पाया है। किसानों के साथ केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। बैठक शाम 5 बजे शुरू हुई थी, जो रात 7.45 बजे तक चली। बैठक में किसानों की मांगों पर कोई हल नहीं निकल पाया है। इस वजह से अब किसानों के साथ दोबारा बैठक होगी। अगली बैठक 22 फरवरी को होगी। इस बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान भी शामिल होंगे। बैठक में पंजाब के मंत्री गुरमीत खुड्डियां और कटारूचक्क और डीजीपी गौरव यादव भी मौजूद रहे। वहीं किसानों के प्रतिनिधिमंडल में किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल, सरवन सिंह पंधेर समेत 28 किसान नेता बैठक में पहुंचे थे। जगजीत सिंह डल्लेवाल को एंबुलेंस के जरिये चंडीगढ़ लाया गया था।

बैठक खत्म होने के बाद केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि किसान नेताओं के साथ बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। किसानों के साथ दोबारा बैठक की जाएगी, जो 22 फरवरी को होगी। वहीं, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के नेतृत्व में केंद्रीय टीम और किसानों के बीच बैठक अच्छे माहौल में हुई है। सरकार ने 22 फरवरी को एक और बैठक बुलाई है। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी हिस्सा लेंगे।

राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी की मौजूदगी में लखनऊ में 4 लेन के 2 फ्लाईओवर का उद्घाटन

लखनऊ को एआई सिटी के रूप में किया जा रहा विकसित: योगी

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में 4 लेन के दो प्रमुख फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। इनमें 270 करोड़ रुपये की लागत से बना इंदिरा नगर सेक्टर 25 से खुर्रमनगर-कल्याणपुर फ्लाईओवर (3 किमी) और 170 करोड़ रुपये की लागत से बना पॉलिटेक्निक से मुंशी पुलिया चौराहा फ्लाईओवर (2 किमी) शामिल हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कुल 588 करोड़ रुपये की 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन की सरकार द्वारा लखनऊ को न केवल एयरो सिटी बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी के रूप में भी विकसित किया जा रहा है।

जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो रहा है और राज्य के हर नागरिक को बेहतर बुनियादी ढांचा और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ को 1000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात मिली है, जिसमें 440 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग की दो महत्वपूर्ण परियोजनाएं और करीब 600 करोड़ रुपये की विभिन्न राज्य परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास शामिल है। उन्होंने कहा कि लखनऊ को मेट्रो शहरों की तरह विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

महाकुंभ से यूपी की अर्थव्यवस्था को 3 लाख करोड़ रु. का फायदा

सीएम योगी ने कहा कि महाकुम्भ न केवल आस्था का महापर्व है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अनुमान लगाया कि इस आयोजन से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में लगभग 3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कुंभ पर खर्च को लेकर सवाल उठाते हैं, लेकिन यह निवेश प्रयागराज के संपूर्ण पुनरुद्धार के लिए किया गया है। महाकुम्भ पर कुल 1500 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, लेकिन इसके बदले में उत्तर प्रदेश को 3 लाख करोड़ रुपये का लाभ होने जा रहा है। यह आयोजन पर्यटन और व्यापार को भी बड़ा प्रोत्साहन देगा।

पटना में शुरू हुई भोजपुरी फिल्म पति का प्यार सास की दुलार की शूटिंग

केटी न्यूज/पटना

भोजपुरी सिनेमा को नए आयाम देने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म पति का प्यार सास की दुलार की शूटिंग का शुभारंभ पटना के विश्वनाथ फार्म हाउस में भव्य मुहूर्त के साथ किया गया। इस फिल्म का निर्माण विश्व मूर्ति फिल्म्स प्रोडक्शन और पिकासो प्रोडक्शन के बैनर तले हो रहा है। फिल्म के निमार्ता संजय पांडेय और देवेंद्र बंसल हैं, जबकि निर्देशन की कमान संजय श्रीवास्तव संभाल रहे हैं।

फिल्म के निमार्ता संजय पांडेय ने कहा, यह फिल्म पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों की मिठास को दर्शाने वाली है। दर्शकों को इसमें प्यार, इमोशन और मनोरंजन का पूरा पैकेज मिलेगा। हम भोजपुरी सिनेमा को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निर्देशक संजय श्रीवास्तव ने कहा, इस फिल्म की कहानी आम लोगों के जीवन से जुड़ी हुई है। हमने इसे पूरी तरह से परिवारिक ड्रामा और मनोरंजन से भरपूर बनाने का प्रयास किया है। दर्शकों को यह फिल्म काफी पसंद आएगी।

फिल्म के मुख्य अभिनेता गौरव झा ने बिहार सरकार की नई फिल्म नीति की सराहना करते हुए कहा, बिहार में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए जो नीति बनाई गई है, वह बहुत सराहनीय है। इससे हमें अपने राज्य की संस्कृति और परंपराओं को सिनेमा के माध्यम से दिखाने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। इस फिल्म में मेरा किरदार दर्शकों के दिल को छूने वाला होगा।

मुख्य अभिनेत्री स्मृति सिन्हा ने कहा, यह फिल्म दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने का काम करेगी। इसमें एक ऐसी कहानी है, जिससे हर घर का सदस्य खुद को जोड़ पाएगा। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। फिल्म में गौरव झा, स्मृति सिन्हा, विनोद मिश्रा, प्रकाश जैस, समर्थ चतुर्वेदी, महेश आचार्य, सुबोध सेठ, जय सिंह राठौर, रिंकू भारती, निशा तिवारी और चाइल्ड आर्टिस्ट चाहत अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के डीओपी समीर जहांगीर हैं, कोरियोग्राफी प्रवीण सेलार द्वारा की जा रही है, जबकि फिल्म के पीआरओ रंजन सिन्हा हैं।

जसीडीह-झाझा रेल खंड पर टला हादसा... एक इंच कटी मिली पटरी

केटी न्यूज/पटना

बिहार में जमुई के जसीडीह-झाझा मुख्य रेल खंड पर गुरुवार देर रात एक बड़ी रेल दुर्घटना टल गई। दरअसल, गुरुवार रात 11 बजे जसीडीह-झाझा मुख्य रेलखंड के दादपुर-झाझा के बीच रानीकुरा के पास अप लाइन पर असामाजिक तत्वों ने रेल पटरी को करीब एक इंच तक कटर मशीन से काटने का प्रयास किया। हालांकि, लाइन की पेट्रोलिंग कर रहे पेट्रोल मैन की नजर इस कटिंग पर पड़ी तो तुरंत रेल प्रशासन को सूचित किया, जिसके बाद अपलाइन से गुजरने वाले सभी ट्रेनों को 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाई गई। बता दें कि यह क्षति पोल संख्या 371/21 और 371/23 के बीच पाई गई है। असामाजिक तत्वों ने रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है। लेकिन समय रहते रेल कर्मचारियों की इस पर नजर पड़ी और असामाजिक तत्वों के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

कोंच थाना क्षेत्र और इमामगंज के जमुना टांड के पास का मामला

गया में डबल मर्डर... अधेड़ का शव बरामद, फील्ड ऑफिसर की हत्या

केटी न्यूज/पटना

गया जिले में दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आया है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। कोंच थाना क्षेत्र में राजद कार्यकर्ता दिवाकर यादव का शव कुएं से बरामद किया गया, जबकि इमामगंज थाना क्षेत्र में फील्ड ऑफिसर संतोष कुमार साह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पहला मामला गया जिले के कोंच थाना क्षेत्र का है। जहां गरारी पंचायत के सरबहदा गांव में शुक्रवार को 50 वर्षीय दिवाकर यादव का शव कुएं से बरामद किया गया। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। डीएसपी टिकारी सुशांत कुमार चंचल ने बताया कि गरारी निवासी इंद्रदेव यादव के पुत्र दिवाकर यादव का शव सरबहदा गांव के बंजर जमीन में स्थित कुएं से मिला। ग्रामीणों ने शव को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। कोंच थानाध्यक्ष धनंजय कुमार

सिंह अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि दिवाकर यादव राजद का पुराना कार्यकर्ता था और उसकी गला दबाकर हत्या करने के बाद शव को कुएं में फेंक दिया गया था। पुलिस ने एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। पुलिस हत्या के कारणों की जांच कर रही है और मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दूसरा मामला इमामगंज थाना क्षेत्र के जमुना टांड के पास का है। जहां गुरुवार की शाम अज्ञात अपराधियों ने रोहतास जिले के नॉन बैंकिंग फील्ड ऑफिसर संतोष कुमार साह की गोली मारकर हत्या कर दी। संतोष काराकाट थाना क्षेत्र के तिलका चौगड़ी गांव के निवासी थे। वे 33 वर्ष के थे और एक नॉन बैंकिंग संस्थान में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि घटनास्थल से 7.6 एमएम की गोली बरामद की गई है। मृतक के भाई रविशंकर गुप्ता ने तीन अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। डीएसपी अमित कुमार ने बताया कि साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

गया और इमामगंज में हुई दो बड़ी हत्याओं को एसएसपी आनंद कुमार ने गंभीरता से लिया है। सिटी एसपी रामानंद कुमार कौशल की निगरानी में विशेष टीम का गठन किया गया है। इस टीम में इमामगंज डीएसपी, एसएचओ और तकनीकी सेल के पुलिस अधिकारियों को शामिल किया गया है। एसएसपी ने बताया एफएसएल और तकनीकी टीम को घटनास्थल पर भेजकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। अपराधियों की पहचान के लिए पुलिस खुफिया जानकारी जुटाने और तकनीकी अनुसंधान कर रही है। जल्द ही दोनों मामलों का उद्भेदन कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

6 जिलों में खुलेंगे मेडिकल कॉलेज स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को अपनी प्रगति यात्रा के तहत जहानाबाद में एक नए मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की स्थापना की घोषणा की। मुख्यमंत्री की इस यात्रा के दौरान बिहार में अब तक छह नए मेडिकल कॉलेजों की घोषणा की जा चुकी है। ये मेडिकल कॉलेज जहानाबाद, अररिया, बांका, खगड़िया, औरंगाबाद और नवादा जिले में स्थापित किए जाएंगे। नीतीश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सरकार की मंशा हर जिले में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बनाने की है, ताकि राज्य के लोगों को इलाज के लिए दूसरे राज्यों में न जाना पड़े। साथ ही बिहार के छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए बाहर न जाना पड़े। राज्य सरकार के इस कदम से बिहार के स्वास्थ्य ढांचे में बड़ा सुधार आएगा। बिहार में सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या अब बढ़कर 13 हो गई है।

अब हाईटेक होगी बिहार पुलिस मंगवाई गईं 500 नई गाड़ियां

केटी न्यूज/पटना

राज्य की विधि व्यवस्था को चुस्त और दुरुस्त बनाए रखने के लिए नीतीश सरकार अब बिहार पुलिस को हाईटेक करने जा रही है। अब पुलिस की पुरानी खटारा गाड़ियों को बदला जाएगा उसकी जगह 500 नई गाड़ियां मंगवाई गयी है। जिसमें 85 करोड़ रुपये सरकार खर्च कर रही है। अब नई हाईटेक गाड़ियां जल्द थाने में दिखेगी। वही खटारा हो चुकी गाड़ियों को थाने से हटाया जाएगा। पुलिस की गश्ती में अब पुरानी गाड़ियों का इस्तेमाल नहीं होगा। 277 फोर व्हीलर, 71 मिनी बस, 30 बड़ी बस, 21 इनोवा क्रिस्टा, 29 बाइक,12 कैदी वैन, 11 वज्र वाहन और 1 वाटर कैनेन की खरीद की जाएगी। बिहार में पुलिस व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नीतीश सरकार ने बड़ी सौगात दी है। बिहार पुलिस को 500 नई गाड़ियां दी जा रही है। इसे लेकर गृह विभाग ने 85 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। पुलिस के वरीय अधिकारियों के लिए इनोवा क्रिस्टा-9 मंगाई जा रही है।

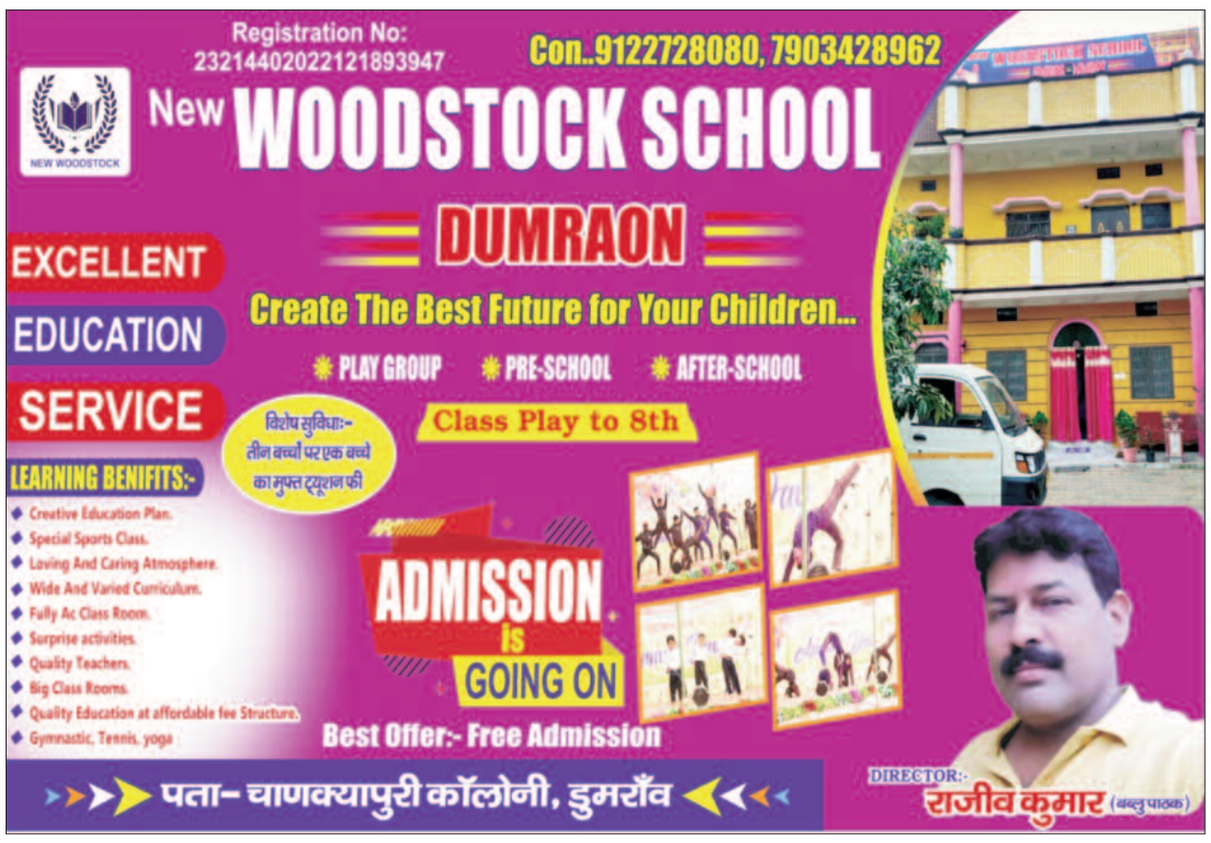

खबरें फटाफट

इटाढ़ी के युवक का कोटा में रेलवे ट्रैक पर मिला शव

बक्सर। इटाढ़ी थाना क्षेत्र के करमी गांव निवासी एक छात्र का कोटा के ढकनिया रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक पर शव मिला है। इसकी पहचान कोटा रेल पुलिस को उसके आईडी कार्ड व पास पड़े मोबाइल से हुई तो, कोटा जीआरपी द्वारा घटना की सूचना शुक्रवार की सुबह छात्र के स्वजनों को दी गई। सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। खबर मिलते ही स्वजन कोटा के लिए रवाना हो गए हैं। जानकारी के अनुसार इटाढ़ी थाना क्षेत्र के करमी गांव निवासी रविंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह का 17 वर्षीय पुत्र हिमांशु सिंह राजपूत नीट की तैयारी करने के लिए राजस्थान के कोटा गया था। जहां कोटा शहर स्थित विज्ञान नगर पीजी में रहकर पढ़ाई करता था। शुक्रवार की सुबह हिमांशु का शव कोटा के ढ़कनिया रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत स्थिति में पाया गया। मृतक के चाचा विनय सिंह उर्फ भोलू ने शुक्रवार की सुबह इस घटना की पुष्टि की और बताया कि रेल पुलिस द्वारा दूरभाष पर सूचना दी गई की हिमांशु का शव रेलवे ट्रैक के पास क्षत-विक्षत स्थिति पाया गया है। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। स्वजन घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने बताया हिमांशु दो भाई में बड़ा था। दूसरा भाई गांव में रहकर पढ़ाई करता है।
वहीं, कोटा रेलवे पुलिस ने बताया कि रेल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। यह आत्महत्या या दुर्घटना है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।

केसठ में संत रविदास की मूर्ति का हुआ विसर्जन

केसठ। प्रखंड क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ संत रविदास की जयंती को मनाई गई । प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में रखें संत रविदास की मूर्ति का विसर्जन नदी, तालाबों आदि जलाशय में की गई। वहीं विसर्जन के दौरान विवाद ना हो इसको लेकर नावानगर थाना प्रखंड के विभिन्न चौक चौराहों पर तैनात दिखे। विसर्जन के दौरान डीजे की धुन पर युवाओं ने खूब नृत किया। इसी कड़ी में खरवानिया गांव अंबेडकर क्लब के सदस्यों को कतिकनार गांव निवासी समाज सेवी अमर सिंह ने पगड़ी से सम्मानित किया।उन्होंने कहा कि गुरु रविदास एक महान गुरु थे, जिन्होंने समझ को संदेश दिया कि अगर सच्ची मन से भगती की जाए तो चमड़े के बर्तन में भी भगवान मिल सकते है।

कृष्णाब्रह्म में कुंभ स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार टेलर से टकराई

एनएच 922 पर आठ घंटे में 3 दुर्घटनाएं दो की मौत, डेढ़ दर्जन से अधिक जखमी

- चंदा गांव के पास रॉन्ग साइड में जा रही स्लीपर बस ने सामने से आ रही ट्रक में मारी टक्कर, दर्जनभर जखमी
- किशनगंज से प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार टकरायी

केटी न्यूज/डुमरांव

गुरूवार की मध्य रात्रि से शुक्रवार की सुबह तक अनुमंडल क्षेत्र में हुई अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई, वहीं डेढ़ दर्जन लोग जख्मी हो गए है। मिली जानकारी के अनुसार पहली घटना गुरूवार की देर रात करीब डेढ़ बजे कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार खुर्द गांव के पास की है। जिसमें दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। वहीं चार लोग गंभीर रूप घायल है। जिनका इलाज सदर अस्पताल बक्सर में चल रहा है। दुर्घटना कठार खुर्द गांव के समीप साई हॉस्पीटल के समीप की है। मिली जानकारी के अनुसार एक कार में सवार हो छह लोग किशनगंज जिला के कुर्ला कोर्ट थाना क्षेत्र के लोधाबारी गांव से प्रयागराज में लगे महाकुंभ में स्नान करने जा रहे थे। रात करीब डेढ़ बजे कठार खुर्द गांव के समीप सड़क किनारे खड़ी एक टेलर में कार चालक ने पीछे से टक्कर मार दिया। इस घटना में कार में सवार सभी छह लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय पुलिस को जैसे ही इस घटना की सूचना मिली तो पुलिस तत्काल सभी को लेकर इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल गई। अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के दौरान कमल राजभर की 50 वर्षीय पत्नी फुलेश्वरी देवी की मौत हो गई, जबकि सदर अस्पताल जाते-जाते गणेश राजभर के 35 वर्षीय पुत्र शत्रुघ्न राजभर ने भी दम तोड़ दिया। वहीं, अन्य जख्मियों में मंटू राजभर की 50 वर्षीय पत्नी सरली देवी, गणेश राजभर की 32 वर्षीय पत्नी आशा देवी, रेनु कुमारी उम्र 23वर्ष तथा एक अन्य को भी गंभीर चोटें आई है। दुर्घटना कितनी विभत्स थी इसका अंदाजा दुर्घटनाग्रस्त कार को देखकर लगाया जा सकता है। इस घटना में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है, वहीं उसका अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया है। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में दो लोगों की मौत हुई है, वहीं चार जख्मी है। दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज उनके स्वजनों को इसकी सूचना दी गई है। वहीं दूसरी ओर इस घटना की सूचना मिलते ही परिजनों पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजन बक्सर के लिए रवाना हुए।

गलत लेन में चल रही स्लीपर बस ने सामने से आ रही ट्रक में मारी टक्कर : नया भोजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 922 पर गलत लेन में चल रही एक स्लीपर बस ने सामने से आ रही ट्रक में टक्कर मार दिया। इस घटना में बस चालक समेत करीब दर्जनभर यात्री जख्मी हो गए, जिनमें चार को गंभीर चोटें आई है। गंभीर रूप से जख्मियों में चालक व केबिन में बैठे तीन यात्री शामिल है। हालांकि, किसी भी यात्री की हालत चिंताजनक नहीं बताई जा रही है। घटना शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे की है। जख्मियों को आनन फानन में सदर अस्पताल पहुंचाया गया। इधर ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि ट्रक चालक अपने लेन में था और विपरीत दिशा से आ रही बस ने ही ट्रक में टक्कर मारी थी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को अपनी अभिरक्षा में ले लिया है। घटना के बाद बस में सवार यात्रियों में अफरा तफरी मच गई थी। यात्री जल्दी बस से बाहर निकलने का प्रयास कर रहे थे, इस प्रयास में भी कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आई। वहीं, स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को राहत पहुंचा तथा पुलिस को घटना की जानकारी दिये तथा पुलिस की सहायता से जख्मियों को अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार जयराम क्लासिक नाम की स्लीपर बस बोकारो से बक्सर आ रही थी, एक लेन पूरी तरह से ट्रकों से जाम होने के कारण बस चालक उत्तरी लेन से बक्सर जा रहा था। चंदा गांव के पास चालक ने अचानक संतुलन खो दिया तथा सामने से आ रही ट्रक में जोरदार टक्कर मार दिया। घटना में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए है। हलांकि, जख्मियों की पहचान नहीं की जा सकी है। नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंच जख्मियों को अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। शाम तक इस मामले में किसी पक्ष ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। उन्होंने बताया कि वाहन नंबर के आधार पर मालिक की तलाश कर रही है। आवेदन प्राप्त होने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग का गजब खेल, अब सामने आया फर्जी छात्र

- दसवीं के छात्र ने बिना नामांकन कराए ऑन लाइन भर दिया था मैट्रिक का फार्म
- नावानगर प्रखंड स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय से जुड़ा है मामला

केटी न्यूज/नावानगर

जिले में साइबर अपराध का एक नया मामला सामने आया है। यह मामला नावानगर प्रखंड स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय नावानगर का है। जहां, एक छात्र ने बिना स्कूल में नामांकन कराए स्कूल के यूजर आईडी व पासवर्ड की जानकारी ले ऑनलाइन तरीके से मैट्रिक परीक्षा का रजिस्ट्रेशन कराने के बाद परीक्षा फार्म भी भर दिया था। अलब्बता बोर्ड ने उसका प्रवेश पत्र भी निर्गत कर दिया। लेकिन जब उक्त छात्र अपना एडमिट कार्ड लेने स्कूल पहुंचा तो शिक्षक चकरा गए। दरअसल उसके प्रवेश पत्र को रिसिव कराने के लिए शिक्षक उसके नाम को दाखिला पंजी व उपस्थिति पंजी में तलाशने लगे, लेकिन कही भी उसका नाम नहीं मिला। गड़बड़ी की आशंका होने पर प्रधानाध्यापक ने इसकी सूचना प्रभारी बीईओ सुरेश प्रसाद को दी, जबकि उक्त छात्र ने खुद ही माध्यमिक शिक्षा के डीपीओ नाजिश अली को फोन कर बताया कि विद्यालय के शिक्षक व प्रधानाध्यापक उसका प्रवेश पत्र नहीं दे रहे है। जानकारी होते ही अधिकारियों में भी हड़कंप मच गया। दोनों अधिकारी बिना देर किए उक्त विद्यालय में पहुंचे तथा छात्र से पूछा कि तुमने आठवीं तक की पढ़ाई कहा से की थी, तब उसने रूपसागर मध्य विद्यालय का नाम लिया। जहां, पड़ताल करने पर यह पता चला कि उक्त छात्र यहां भी नहीं पढ़ा था। जब अधिकारियों ने कड़ाई से पूछताछ की तो यह बात सामने आई कि वह गलत तरीके से विद्यालय का यूजर आईडी व पासवर्ड की जानकारी ले यह खेल किया था। जिसके बाद माध्यमिक शिक्षा के डीपीओ ने उसे फटकार लगाया तथा उसकी कम उम्र को देखते हुए भविष्य में ऐसी गलती नहीं करने की चेतावनी दे उसे छोड़ दिया। लेकिन, इस घटना ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। आखिर कोई भी किसी विद्यालय का यूजर आईडी व पासवार्ड जान ऐसी हरकत कर सकता है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद विभाग चौकन्ना हो गया है। बीईओ सुरेश प्रसाद ने बताया कि वर्ष 2023 में बिना नामांकन के हीं आवेदक छात्र सुनील कुमार, ग्राम रूपसागर का रजिस्ट्रेशन कर दिया गया था। उस समय विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका पूनम कुमारी थी। बीईओ ने बताया कि स्कूल के नामांकन पंजी में छात्र का नाम दर्ज नहीं है। इस बात की जानकारी प्राप्त होने के बाद वरीय पदाधिकारियों को सूचना दी गई थी। वहीं, डीपीओ नाजिश अली ने बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद विद्यालय में जाकर सभी दस्तावेज की जांच की गई। जांच क्रम में मामला सही पाया गया। उसकी कम उम्र को देखते हुए उसे फटकार लगा छोड़ दिया गया। जबकि उसके प्रवेश पत्र को जब्त कर लिया गया है। उसे नियमानुसार बोर्ड से कैंसल करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग ऐसे मामलों में काफी चौकसी बरत रहा है। इसके गड़बड़ी करने वाले कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क किनारे खून से लथपथ मिला युवक, पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

स्थानीय थाना क्षेत्र के निमेज पांडेपुर पुल के समीप खून से लथपथ एक युवक बेहोशी की हालत में मिला। स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तत्काल जख्मी युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। काफी मशक्कत के बाद युवक की पहचान निमेज गांव के शंकर यादव के रूप में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश तिवारी के हाथी खाना के पास एक युवक को कुछ अपराधिक तत्व के लोगों ने मार कर अधमारा स्थिति में फेंक दिया था।

सुबह में शौच के लिए निकले ग्रामीणों ने जब उसे देखा तो डायल 112 पर फोन कर पुलिस को इस घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने युवक को उठा इलाज के लिए रघुनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने उसे पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। इसके बाद पुलिस टीम उसे लेकर पटना पहुंची तथा उसकी पहचान का प्रयास किया। घंटो बाद उसकी पहचान निमेज गांव निवासी शंकर यादव उर्फ गुड्डू यादव पिता राम नारायण यादव के रूप में हुई। हालांकि, उसे इस हालत में पहुंचाने वाले कौन थे तथा उनकी इससे क्या दुश्मनी थी, इस संबंध में जानकारी नहीं मिल सकी है। ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस अभिरक्षा में उसका इलाज पटना पीएमसीएच में चल रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस मामले में खुलासा होगा। पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। उन्होंने बताया कि परिवार की ओर से अभी तक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। घायल युवक ने भी अभी तक बयान नहीं दिया है। जख्मी युवक का बयान आने के बाद भी आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विश्वामित्र सेना ने पुलवामा शहीदों को दी श्रद्धांजली

बक्सर। विश्वामित्र सेना ने चौसा महादेवा घाट पर आगामी 16 फरवरी को होने वाले सनातन सम्मान समारोह को लेकर शुक्रवार को स्वच्छता अभियान चलाया। साथ ही विश्वामित्र सेना द्वारा पुलवामा में शहीद हुए मां भारती के वीर सपूतों को याद कर श्रद्धांजली दी गई। विश्वामित्र सेना के राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक उपाध्याय ने बताया कि विश्वामित्र सेना के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार चौबे के आह्वान पर महर्षि च्यवन ऋषि की धरती महादेवा घाट पर आगामी 16 फरवरी को सनातन सम्मान समारोह एवं मां गंगा प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमे राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार चौबे शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में चौसा की धार्मिक प्रसिद्धि को देश स्तर पर सम्मान दिलाने के लिए संकल्प लिया जाएगा। वहीं, इस मौके पर सनातन सम्मान प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर प्रचार के लिए रवाना किया गया। इस कार्यक्रम में मोहित बाबा, काजू मिश्रा, वीरेंद्र कश्यप, विशाल चौधरी, श्रीभगवान सिंह, भारत पांडेय, धनजी तिवारी, सूर्य प्रकाश, अमित यादव, जितेश उपाध्याय, दिनेश सिंह वार्ड पार्षद सहित अन्य मौजूद थे।

सीएम की यह प्रगति नहीं दुर्गति यात्रा है : डॉ मनोज पांडेय

बक्सर। बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहां कि बक्सर जिला में मुख्यमंत्री का आगमन हो रहा है, जबकि पूरे जिले में खानापूर्ति का कार्य हो रहा है। रंग रोगन की तैयारी चल रही है, वह भी सिर्फ खाना पूर्ति के लिए। उन्होंने प्रश्न किया कि क्या इसके पहले बक्सर की जनता नहीं रहती है, यह प्रगति यात्रा नहीं दुर्गति यात्रा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को गांव की सड़के शहर में बढ़ते जाम को ध्यान देना चाहिए। डॉ. पांडेय ने कहा कि बिहार के मुखिया को इस तरह चुनावी प्रचार तंत्र को अपनाकर बक्सर जिले की भोली भाली जनता को बरगलाने की राजनीति की जा रही है। जिसका परिणाम आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता अपने वोट देकर उखाड़ फेंकने का काम करेगी।

पुलवामा अटैक के शहीदों के परिवारों के लिए चित्रकला, कविता लेखन, स्लोगन लिखा गया

रेडियंट पब्लिक स्कूल के छात्रों ने एक मिनट का मौन रख पुलवामा के शहीदों को दी श्रद्धांजली

केटी न्यूज/बक्सर

शुक्रवार को रेडियंट पब्लिक स्कूल के छात्रों ने पुलवामा अटैक की याद में एक संवेदनशीलता अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने पुलवामा अटैक के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनकी याद में एक मिनट का मौन रखा। विद्यार्थियों ने बताया कि पुलवामा अटैक एक ऐसी घटना है, जिसने पूरे देश को हिला दिया था। उन्होंने कहा कि यह घटना हमें देश की एकता और सुरक्षा के महत्व के बारे में बताती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक जय प्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और उन्हें पुलवामा अटैक के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह घटना हमें देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी के बारे में बताती है और हमें अपने देश की सुरक्षा और एकता के लिए काम करने के लिए प्रेरित करती है। विद्यार्थियों ने इस अवसर पर पुलवामा अटैक के शहीदों के परिवारों के लिए चित्रकला, कविता लेखन, स्लोगन आदि से संवेदना व्यक्त की और उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। कक्षा नवम के छात्र-छात्राओं ने एक एकांकी भी प्रस्तुत की, जिसमें यह दशार्या गया कि 14 फरवरी 2019 को जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी ने पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले में विस्फोटक लेकर जा रहे एक वाहन को टक्कर मार दी थी, इस हमले में 40 जवान शहीद हो गए थे।इसे एकांकी में सुप्रिया, अदिति, शिवानी, अक्षर, रिया, दिव्या, परी, मुस्कान, आकाश, सागर विष्णु देव गुप्ता, शुभम दिव्यांशु, हिमांशु, अनीश, रोशन, विशाल, अमन, मयंक, आलोक, हिमांशु, आशीष, शिवम, प्रियांशु, प्रिंस शामिल थे।

जदयू नेताओं ने शहीदों को दी श्रद्धांजली

डुमरांव। जदयू के विधान सभा प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा के नेतृत्व में 14 फरवरी 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों की याद में डुमरांव नगर जदयू के नेतृत्व में शहर में कैंडल मार्च निकाला गया। इस कैंडल मार्च को मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ जदयू नेता रामबिहारी सिंह शामिल हुए। कैंडल मार्च नगर के विभिन्न सड़कों से होते हुए शहीद पार्क तक जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान लोगों ने जमकर वीर शहीद अमर रहे, भारत माता की जय का जयकारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। कैंडल मार्च नया थाना से निकल, पुराना थाना रोड होते हुए शहीद स्मारक तक गया।

प्रगति यात्रा: आज बक्सर दौरे पर आएंगे सीएम नीतीश, सिमरी के केशोपुर और राजपुर परसनपाह को देंगे बड़ी सौगात

18 साल बाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का सपना हुआ पूरा

संजीव कुमार दूबे/सिमरी

बिहार कै मुखिया नीतीश कुमार 10: 20 बजे सिमरी प्रखंड के केशोपुर बहुग्रामीण जलापूर्ति केन्द्र पहुचेंगे। सीएम नीतीश कुमार 202 करोड 70 लाख रुपए की प्राक्कलित राशि से बनी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन कर 214 वार्डो की जनता को समर्पित करेंगे। 107 करोड 77 लाख रुपए की कुल 25 योजनाओं का शिलान्यास व 338.55 करोड रुपए की राशि से धरातल पर विभिन्न प्रखंडों मे मूर्त रूप ले चूकी कुल 40 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। 11 बजे कोईलवर तटबंध का निरीक्षण करने के उपरांत राजपुर परसनपाह पंचायत में निर्मित बहुउद्देशीय पंचायत सरकार भवन व नक्षत्र वाटिका का निरीक्षण करेगें। 343 चिन्हित जगहों पर दण्डाधिकारी की गई तैनाती:- मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियां प्रशासन द्वारा पूरी कर ली गई है। बता दें कि कुल 343 जगहों पर दण्डाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती की गई है। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी द्वारा साथ डीएम अंशुल अग्रवाल ने संयुक्त संवाद आयोजित कर ब्रीफ किया गया। डीएम ने निर्देश दिया कि कोई भी संदेहास्पद वस्तु नजर आए तो तुरंत प्रभारी पदाधिकारी को सूचित करें।

सीएम के कारकेड का किया गया मॉक ड्रिल:- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ-साथ चलने वाले कारकेड वाहन का मॉक ड्रिल किया गया। कारकेड मे क्रमशः वार्निंग कार,एडवांस पायलट, मीडिया कार,एक्साट्रारिंग कार,पायलट कार,वीआईपी कार,एस्कार्ट 1,जैमर कार,पार्टी 1 सहित कुल 19 वाहन शामिल रहेगी। विदित हो कि सीएम कई जेड प्लस की सुरक्षा अनुमान्य है,उसके अतिरिक्त जिला पुलिस द्वारा रिंग राउंड सुरक्षा की व्यवस्था की गई है।

सीएम के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था हुई सख्त

केटी न्यूज/सिमरी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का प्रगति यात्रा की रथ शनिवार को सिमरी प्रखंड में पहुंचेगा उनकी सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया हैं बिना जांच के किसी को कार्यक्रम स्थल के अंदर जाने की अनुमति नहीं हैं एक दिन पूर्व सुरक्षा एजेंसियों के द्वारा हैलीपैड एवं विभिन्न कार्यक्रम स्थल को अपने कब्जे में ले लिया गया तथा आधुनिक उपकरणों से तलाशी की प्रक्रिया शुरू कर दिया तलाशी के दौरान जगह जगह पर डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर लगाई गई हैं इसके अलावा सुरक्षा जांच एजेंसियों के बल सदस्यों के द्वारा हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर,डीप सर्च मेटल डिटेक्टर से तलाशी करते हुए दिखाई दिये बतादें की 15 फरवरी यानी शनिवार को सिमरी मुख्यालय बाजार के साथ साथ केशोपुर एवं परसनपाह पंचायत गांव जाने तक आवागमन बंद कर दिया गया हैं चप्पे- चप्पे पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई हैं सभी कार्यक्रम स्थल पर तीन लेयर में पुलिस जवान एवं पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। जगह- जगह पर पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारी तैनाती की गई है। मुख्यमंत्री के प्रगति यात्रा कार्यक्रम के दौरान कहीं पर किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने बताया कि प्रगति यात्रा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

कार्यक्रम स्थल पर अलग से एक आईपीएस अधिकारी के अलावे 10 डीएसपी स्तर के पदाधिकारी की तैनाती की गई है। वहीं 450 इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर के अलावा भारी संख्या में पुलिस के जवान तैनात रहेंगे। सौ से अधिक पुलिस के जवान सादे लिबास में तैनात रहेंगे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुख्यमंत्री के प्रगति यात्रा को लेकर ट्रैफिक रूट बनाया गया है। निर्धारित रूट के अनुसार ही वाहनों का आना-जाना होगा। बिना रूट के अनुसार किसी भी प्रकार की कोई वाहन का आवागमन नहीं होगा। इसके अलावे विभिन्न मुख्य मार्ग पर ड्रॉप गेट बनाए गए हैं। सभी ड्रॉप गेट पर एक पदाधिकारी एवं तीन जवानों की तैनाती की गई है। इस प्लांट का उद्घाटन मुख्यमंत्री के द्वारा ही होगा। लिहाजा मुख्यमंत्री के आने से पहले कैसे आएंगे और कैंसे जाएंगे रूट का फईनल कर लिया गया है। रूट चार्ट को एसपी कार्यालय से जारी कर दिया गया है। जारी आदेश में 15 फरवरी को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक केशोपुर प्लांट से सिमरी बाजार चौ से आशा पड़री चौक से पुरानाभोजपुर चौक होते हुए एनएच संपर्क पथ तक आवागमन पूर्णतः बाधित रहेगा। इस दौरान सिमरी से डुमरांव आने-जाने हेतु वैकल्पिक मार्ग रूप में सिमरी से नियाजीपुर, सुंदरपुर मोड़ से डुमरी होते हुए नया भोजपुर चौक से महाराजा कोठी होते हुए एसडीएम आवास मार्ग का उपयोग किया जा सकता है।

एक दिवसीय दौरा पर सिमरी में करीब एक घंटा रुकेंगे मुख्यमंत्री

केटी न्यूज/सिमरी

सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा को लेकर शनिवार को पटना एयरपोर्ट से जिला के सिमरी प्रखंड अंतर्गत केशोपुर एवं परसनपाह पंचायत आएंगे। सिमरी से मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा की बक्सर जिले में शुरूआत होगी। मुख्यमंत्री एक दिवसीय दौरा पर सिमरी में लगभग एक घंटे रुकेंगे सबसे बड़ी बात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी सहित कई मंत्री शामिल होंगे तथा सरकार द्वारा केशोपुर बहुग्रामी जलापूर्ति प्लांट ,एवं परसनपाह मॉडल पंचायत सरकार भवन तथा मनरेगा कार्यक्रम के तहत नक्षत्र वाटिका का उद्घाटन करेंगे. सीएम के आज के दौरे को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. दरअसल मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम जारी किया गया हैं जिसमें सबसे पहले 10 बजे हेलीकॉप्टर पटना एयरपोर्ट से प्रस्थान करेंगे जो 10:20 बजे केशोपुर गांव स्थिति वॉटर ट्रिटमेंट प्लांट के प्रांगण मे बनायें गए हैलीपैड पर उतरने के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ होगा , 10:25 बजे बहुग्रामी जलापूर्ति प्लांट एवं अन्य योजनाओं का उद्घाटन तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगायें गए स्टॉल का निरीक्षण, 10:50बजे बहुग्रामी जलापूर्ति प्लांट से बक्सर कोईलवर तटबंध के लिए प्रस्थान एवं निरीक्षण, 11:00 से 11:20 बजे तक मॉडल परसनपाह पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन एवं मनरेगा योजना अंतर्गत नक्षत्र वाटिका का निरीक्षण करेंगे उसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला सड़क मार्ग से जिला मुख्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रगति यात्रा की रथ पहुंचेगी।

रामरेखा घाट का भी सीएम करेंगे निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा को लेकर शनिवार को पटना एयरपोर्ट से जिला के सिमरी प्रखंड अंतर्गत केशोपुर एवं परसनपाह पंचायत आएंगे। इसके बाद जिला मुख्यालय में आएंगे। यहां पर रामरेखा घाट का भी निरीक्षण करेंगे। रामरेखा घाट की पूरी तस्वीर ही प्रशासन ने बदल दी है। मिली जानकारी के अनुसार सीएम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, पीएचईडी मंत्री नीरज सिंह बब्लू, जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी सहित कई मंत्री शामिल होंगे। तथा सरकार द्वारा केशोपुर बहुग्रामी जलापूर्ति प्लांट ,एवं परसनपाह मॉडल पंचायत सरकार भवन तथा मनरेगा कार्यक्रम के तहत नक्षत्र वाटिका का उद्घाटन करेंगे। सीएम के आज के दौरे को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सीएम के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम जारी किया गया हैं। जिसमें 10:20 बजे आगमन होगा। वहीं सभी कार्य कार्यक्रम पूरा करते हुए दोपहर दो बजे सीएम वापस लौट जाएंगे।

100 करोड़ से शुरू हुआ था वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का सफर

केटी न्यूज/सिमरी

केन्द्र सरकार की मदद से बनने वाला जल शोध संस्थान सिमरी प्रखंड के केशोपुर में स्थापित होने वाला था। इसकी कुल लागत सौ करोड़ पचास लाख थी। जिसका कार्य को पूरा करने के लिए हैदराबाद की कंपनी आई वी आर सी एल को जिम्मा दिया गया था। इसके साथ वर्ष 2008 में ही करार हुआ था। कार्य अवधी 30 जून 2009 से तीस माह की रखी गई थी। परन्तु इसका शिलन्यास ही 2 मार्च 2012 डीएम अजय यादव इसका भूमी पूजन कर शिलन्यास किया था। इसके तहत सौ किलोमीटर लंबी पाइप लाइन बिछाई गई थी।

गंगा का पानी बनना था अमृत

केशोपुर में बनने वाला जल शोध संस्थान गंगा से पानी लेकर उसको मिनरल वाटर बनना था। केशोपुर में लगने वाला संयत्र प्रतिदिन साढ़े 15 लाख लीटर पानी की आपूर्ति करना था। जिसे पाइप लाइन के जरिए 87 चिरागी गांव में से 51 गांव के डेढ़ लाख से अधिक परिवारों तक पहुंचाया जना था। योजना महत्वाकांक्षी है लेकिन गति काफी धीमी रही समय के साथ कंपनी फरार हो गई।

बीस एकड़ भूमि बन रहा था जल शोध संस्थान

जल शोध संस्थान के लिए केन्द्रीय जल आयोग ने बीस एकड़ भूमि की आवश्यकता बताई थी। इस भूमि का अधिग्रहण राज्य सरकार ने वर्ष 2010 में ही कर लिया था। यह भूमि जिला जल स्वच्छता समिति को सुपुर्द कर दिया था। सदर, सिमरी, चक्की और ब्रह्मपुर प्रखंड के कई गांव आर्सेनिक युक्त जल का सेवन करते चले आ रहे हैं। जिसकी वजह से यहां के लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आ चुके हैं। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 152 टोले ऐसे हैं। जहां के चापाकलों से आर्सेनिक युक्त पानी की जांच हुई है। इसकी रिपोर्ट राज्य और केन्द्र सरकार को भेजी जा चुकी है। जिसको देखते हुए यहां जल शोध संयत्र लगाने को मंजूरी भी मिली थी। लेकिन उसका कार्य शुरू से ही इतनी धीमी गति से चल रहा था कि योजना कब पूरी हो जाएगी कहा नहीं जा सकता था। पिछले पांच साल से इसका काम चल रहा था। कम्पनी मात्र 20 फिसदी काम करके ही साल 2015 में ही भाग निकली। इसके बाद लंबे समय तक इस प्रोजेक्ट पर कोई काम नहीं हुआ था।

बढ़ते तापमान ने बढ़ाई किसानों की चिंता, रबी फसल को होगा नुकसान

केटी न्यूज/केसठ

तेज धूप के साथ चल रहे पछुआ हवा ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। वही इसका असर रबी फसल को प्रभावित कर सकता है। मौसम का मिजाज ऐसा ही रहा तो उपज प्रभावित होना तय है, जिससे किसानों का बड़ा नुकसान हो सकता है। न्यूनतम तापमान में हो रही बढ़ोतरी रबी फसलों के लिए नुकसान देह साबित हो सकती है। फरवरी महीने में ही मौसम के बदलते तेवर और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी से किसान चिंतित है। इससे दलहनी फसलों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। किसानों का कहना है कि देर से बुआई की गई चना और मसूर के पौधों में अभी फूल और फल लग रहे है। अनुकूल तापमान न रहने के कारण इन पौधों से फूल झड़ जा रहे है इतना ही नहीं, मिट्टी से नमी गायब होने के कारण समय से पहले गेहूं की सिंचाई करनी पड़ रही है। किसानों का कहना है कि मौसम का मिजाज ऐसा ही रहा तो उपज प्रभावित होना निश्चित है, जिससे किसानों का बड़ा नुकसान हो जाएगा। जानकार किसानों का कहना है कि कम से कम 15 फरवरी तक न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम होना चाहिए था, लेकिन क्षेत्र का न्यूनतम तापमान 12 से 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। बताया गया कि न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा प्रभाव गेहूं, सरसों, मसूर, चना और आम फसल पर होगा। बताया जाता है कि रबी की फसलों के लिए ठंड रहने और आसमान से ओस गिरते रहना जरूरी रहता है। लेकिन हालिया दिनों में मौसम ऐसा है कि उम्मीद से अधिक तापमान उम्मीदों पर पानी फेर रहा है। चना और मसूर में लगे दाने का विकास रूक सा गया है। फूल झड़ रहे हैं तो पौधों में फली लगने की संख्या भी घट रही है । वही पछुआ हवा भी प्रभावित कर रही है।

मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा नगर परिषद में व्याप्त धांधली को

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद डुमरांव में लगभग एक सौ योजनाओं पर काम चल रहा है। काई ऐसी योजना नहीं है, जो मानक के अनुसार बन रही है। बन रही नाली की गहराई से लेकर चौड़ाई तक को मनमानी तरीके से बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं सेंट्रल नाला से नाली को जोड़ने का भी काम चल रहा है, लेकिन केवल नाम किया जा रहा है। इतना ही नहीं किसी योजना पर प्राक्कलन का बोर्ड नहीं लगाया जा रहा है, जिससे नगरवासी इस बात से अंजान है कि कौन संवेदक है और कितने की प्राक्कलित राशि है। जबकि किसी भी सरकारी योजना पर जब काम होता है तो पहले प्राक्कलन बोर्ड लगाया जाता है, जिससे लोगों को जानकारी हो कि कहां से कहां तक काम होगा और कितनी राशि खर्च होगी। इतना ही नहीं संवेदक का यदि नाम होगा तो कोई गड़बड़ी होने पर उससे लोग पुछ सकते हैं। जिस मोहल्ले में काम चल रहा है, वहां के लोगों द्वारा शिकायत भी वार्ड पार्षद से लेकर ईओ और चेयरमैन तक की जाती है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती। लिहाजा संवेदक मनमानी कार्य करने में कोई परहेज नहीं कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि योजनाओं की यदि जांच होती है तो संवेदक के साथ नप के अधिकारियों व कर्मियों पर गाज गिरना तय है। इसकी शिकायत लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी करने का मन बना लिया है। सिमरी के केशोपुर में होने वाले प्रगति यात्रा के दौरान नगर परिषद के सारे काले चिट्ठे से उन्हें अवगत कराया जाएगा।

डुमरांव प्रखंड के 134 सरकारी स्कूलों में अध्यनरत को मिलेगा लाभ

बदलाव... 15 फरवरी से नये मध्याह्न भोजन के मेन्यू के अनुसार स्वाद चखेंगे स्कूली बच्चे

केटी न्यूज/डुमरांव

मध्याह्न भोजन योजना निदेशालय द्वारा स्कूली बच्चों को दिये जाने वाले मध्याह्न भोजन के मेनू में बदलाव किये जाने के बाद शिक्षा विभाग और स्कूल के प्रधान को दिशा-निर्देश जारी किया है। डुमरांव प्रखंड के 134 सरकारी स्कूलों में अध्यनरत करीब 34 हजार 750 बच्चों को अब नये मेनू के अनुसार मिड डे मील मिलेगा। स्कूली बच्चें तड़का और छोले का भी स्वाद चखेंगे। तो शुक्रवार को उन्हें सेब व केला भी मुहैया कराया जायेगा। सप्ताह में मात्र एक दिन शनिवार को हरी सब्जी युक्त खिचड़ी दी जा सकेगी। स्कूली बच्चों के मेनू में बदलाव किये जाने के बाद शिक्षा विभाग ने स्कूल के प्रधानाध्यापकों को दिशा-निर्देश जारी किया है। 15 फरवरी से यह योजना लागू की गयी है। इसके पूर्व प्राथमिक व मध्य विद्यालय के दीवारों पर नये मेनू अंकित करना अनिवार्य होगा। सोमवार से शनिवार तक के मेनू में बदलाव किया गया है। नये मेनू के अनुसार बच्चों को पौष्टिक भोजन देने पर जोर दिया गया है। विभाग द्वारा जारी मेनू के अनुसार बुधवार को पूर्व निर्धारित खिचड़ी को मेनू से हटा दिया गया है। साथ ही मौसमी फल भी इस दिन नहीं दिया जायेगा। इसकी जगह पर बच्चों को चावल एवं लाल चने का छोला दिया जायेगा। शुक्रवार को पूर्व की तरह अंडा खाने वाले बच्चों को एक संपूर्ण अंडा जबकि अंडा पसंद नहीं करने वाले बच्चों को मौसमी फल 100 ग्राम वजन के समतुल्य सेब या केला देने को कहा गया है। हालांकि मौसमी फल की पाबंदी नहीं लगायी गयी है। भोजन में हरी सब्जी की मात्रा बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

कैलोरी, प्रोटीन की देनी होगी अधिक मात्रा: स्कूली बच्चों को विभाग ने प्रोटीन, कैलोरी तथा सूक्ष्म पोषक तत्व उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। जिसके तहत प्राथमिक स्तर के बच्चों को कैलोरी 450 और प्रोटीन 12 ग्राम, उच्च प्राथमिक के बच्चों को कैलोरी 700 और प्रोटीन 20 ग्राम के अलावे सूक्ष्म पोषक तत्व में आयरन फॉलिक एसिड, विटामिन ए आदि की पर्याप्त मात्रा बढ़ाई गयी है। मध्यान भोजन के निर्धारण मानक के अनुसार कक्षा 1 से 5 तक बच्चों को चावल 100 ग्राम, दाल 20 ग्राम, हरी सब्जी 50 ग्राम, खाद्य तेल 5 ग्राम, मसाला 5 ग्राम और कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को चावल 150 ग्राम, दाल 30 ग्राम, हरी सब्जी 75 ग्राम दी जाएगी। जिससे उनका पोषण हो सके।

संक्षिप्त समाचार

क्षेत्रीय राजपूत समाज के महाधिवेशन में हंगामा , चुनाव टला

पुटकी, एजेंसी। मुनीडीह में गुरुवार को आयोजित धनबाद - बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज के 10वें महाधिवेशन सह स्थापना दिवस समारोह में जमकर हंगामा हुआ. इसके कारण अधिवेशन बीच में ही समाप्त करना पड़ा. कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने गलत तरीके से चुनाव कराने का आरोप केंद्रीय कमेटी पर लगाते हुए इसका जमकर विरोध किया.

बताया जाता है कि मुनीडीह स्थित राजपूत समाज के केंद्रीय कार्यालय में गुरुवार को महाधिवेशन के दौरान चुनाव की प्रक्रिया शुरू होते ही जोन तीन के कुछ लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया. मंच संचालक के विरोध के साथ वक्ताओं से माइक भी छीन लिया गया. एक युवक ने मतदान पेटी हटा दी. बरडुभी पंचायत के मुखिया मनोज सिंह, दुबराजडीह के मुखिया रमेश सिंह, पीएन सिंह, शिवराम सिंह, डीएल सिंह, चक्रधर सिंह समेत दर्जनों लोग मंच पर चढ़कर विरोध जताने लगे. इससे माहौल बिगड़ गया. उनका कहना था कि समाज के पांचों जोन से कुल 105 लोग जो वोट देंगे, उनका चयन गलत तरीके से किया गया है. लगातार अपील करने के बाद भी वे नये सिरे से चुनाव कराने की मांग पर अड़े रहे. ऐसे में केंद्रीय अध्यक्ष जन्मजेय सिंह चुनाव स्थगित करने की घोषणा कर चलते बने. उन्होंने कहा कि चुनाव पर्यवेक्षक सह सेवानिवृत्त जज रामनारायण सिंह व अन्य पर्यवेक्षकों के साथ बैठक कर जल्द चुनाव की अगली तिथि की घोषणा की जायेगी. बातचीत से मामला सुलझाया जायेगा. महाधिवेशन में धनबाद, बोकारो, रामगढ़ व पुरुलिया जिले के 58 गांव के प्रतिनिधि आये थे. कार्यक्रम में जीतलाल सिंह,रामचरित्र सिंह, अम्बिका सिंह, राधानाथ राय, अतुल प्रसाद, सूर्यनारायण सिंह, विष्णु सिंह, रामप्रसाद सिंह, गोपाल सिंह, शिबू सिंह, दीनानाथ सिंह, रणजीत सिंह, शीतल सिंह, कामदेव सिंह, राज कुमार सिंह, शिरीष सिंह, नागेश्वर सिंह आदि थे. पहली बार बैलेट पेपर से होने वाले केंद्रीय कमेटी के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए तीन उम्मीदवार जन्मजेय सिंह, सूर्यनारायण सिंह व शंकर दयाल देव, केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पद पर दुर्गा प्रसाद सिंह, सुरेंद्र सिंह, परमेंद्र सिंह, हाजरा सिंह, महामंत्री पद पर रंजीत सिंह (पत्रकार), रामविलास सिंह, सिरीश सिंह, संगठन मंत्री पद पर अंबिका प्रसाद सिंह, रघुनाथ सिंह,जगरनाथ सिंह, कोषाध्यक्ष पद पर गोपाल सिंह, रामचरित सिंह मैदान में हैं. चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में सेवानिवृत्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आरएन सिंह, शंकर सिंह मुखिया, राधानाथ राय, अनिल चटिया व श्रीराम चंद्र सिंह शामिल हैं.

बीबीएमकेयू में शोध, विकास व पीएचडी सेल का पुनर्गठन

धनबाद, एजेंसी। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय ने शोध और अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए शोध एवं विकास प्रकोष्ठ (आर एंड डी) और पीएचडी प्रकोष्ठ का पुनर्गठन किया गया है. कुलपति के आदेश पर जारी इन दोनों प्रकोष्ठों के गठन से शोध कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने में सहायता मिलेगी.

आर एंड डी के समन्वयक के रूप में डॉ अमिता वर्मा (डीन, ह्यूमैनिटीज) को नियुक्त किया गया है. वहीं डॉ डीके गिरि, डॉ एचएस चौधरी और डॉ सरिता मुर्मू को सदस्य बनाया गया है. यह प्रकोष्ठ शोध अनुदान सुविधा, अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से समझौता ज्ञापन (एमओयू), परियोजना निधि प्रबंधन और वार्षिक शोध रिपोर्ट तैयार करने जैसे कार्यों का संचालन करेगा. एचडी प्रकोष्ठ का समन्वयक डॉ. नकुल प्रसाद (एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग) को बनाया गया है, जबकि डॉ. सीमा कुमारी, डॉ. रूपम मलिक और डॉ. तनुजा कुमारी को सदस्य नियुक्त किया गया है। यह प्रकोष्ठ पीएचडी प्रवेश एवं पंजीकरण, शोध गुणवत्ता नियंत्रण, साहित्यिक चोरी (प्लेजरिज्म) की निगरानी, थीसिस मूल्यांकन, प्रकाशन प्रोत्साहन और शोध अभिलेखों का रखरखाव करेगा.

खूंटी कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की 18 बेटियों ने पास की जेईई मेन परीक्षा, रचा इतिहास

खूंटी, एजेंसी। राजधानी रांची से सटे खूंटी जिले की 18 आदिवासी बच्चियों ने जेईई मेन 2025 परीक्षा पास कर इतिहास रच दिया। ये पहली बार है कि एक साथ एक स्कूल में पढ़ने वाली बच्चियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा जेईई मेन पास किया है। जिला प्रशासन ने सभी बच्चियों को शुभकामनाएं दी हैं।

जिला प्रशासन खूंटी द्वारा संचालित सम्पूर्ण शिक्षा कवच अभियान के तहत शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। कालामाटी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की 18 बेटियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा जेईई मेन 2025 में सफलता प्राप्त किया है। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि सही मार्गदर्शन और कठिन परिश्रम से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

इस उपलब्धि पर डीसी लोकेश मिश्रा ने सभी छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं उनके उवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, यह हमारे जिले के लिए गर्व का क्षण है। इन 18 छात्राओं ने यह साबित कर दिया कि संसाधनों की सीमाओं के बावजूद यदि उचित मार्गदर्शन और समर्थन मिले, तो ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। यह उपलब्धि न केवल छात्राओं की मेहनत का परिणाम है, बल्कि सम्पूर्ण शिक्षा कवच अभियान के तहत शिक्षकों और जिला प्रशासन द्वारा किए गए सतत प्रयासों की भी पुष्टि करती है। हम आगे भी इसी तरह छात्रों के समग्र सहयोग के लिए प्रयासरत रहेंगे।

सम्पूर्ण शिक्षा कवच अभियान के तहत छात्राओं को 24म7 डिजिटल शिक्षा सहायता, व्यक्तिगत मार्गदर्शन, और मॉडल

टेस्ट श्रृंखला के माध्यम से तैयारी करवाई गई। इस अभिनव पहल से न केवल जेईई मेन परीक्षा में सफलता मिली, बल्कि यह आगे भी छात्राओं को आईआईटी और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश के लिए प्रेरित करेगा। खूंटी जिला प्रशासन इस सफलता को ग्रामीण शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव के रूप में देखता है और भविष्य में भी इसी प्रकार छात्राओं को सहयोग प्रदान करने के लिए संकल्पित है।

इन्होंने ने पास की परीक्षा

महिमा कुमारी, दिव्या कुमारी, गुंजा कुमारी, जांबी टूटी, प्रमिला टूटी, आरती कुमारी, ईशा कुमारी, आकांक्षा कुमारी, लीला कुमारी, जयंती कुमारी, प्रियांशी कुमारी, प्रियंका कुमारी, आर्ची सांगा, ललिता पूर्ति, अमिका कुमारी, अंता कुमारी, अर्चना कुमारी।

स्टेट फूड टेस्टिंग लैब को मिली एनएबीएल मान्यता, मिलावटी खाद्य पदार्थों की जांच में होगी सुविधा

रांची, एजेंसी। राजधानी के नामकुम स्थित राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को एनएबीएल यानी राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला द्वारा मान्यता दे दिया गया है. इससे यह झारखंड का एकमात्र फूड टेस्टिंग लैब बन गया है, जिसे यह मान्यता प्राप्त हुआ है. स्टेट फूड टेस्टिंग लैब के खाद्य विश्लेषक चतुर्भुज मीणा ने बताया कि एनएबीएल द्वारा यह प्रमाण पत्र उस लैब को दिया जाता है जो सभी मानकों को पूरा करती है. चतुर्भुज मीणा ने बताया कि एनएबीएल की मान्यता मिलने के बाद पूरे राज्य के सभी लीगल नमूनों की जांच शुरू हो जाएगी.

स्टेट फूड टेस्टिंग लैब स्वास्थ्य विभाग के अधीन चलने वाला एक लैब है जो खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006, नियम 2011 के अनुरूप काम करती है, जो झारखंड के सभी नागरिकों को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है. चतुर्भुज मीणा ने बताया कि स्टेट फूड टेस्टिंग लैब रांची खाद्य पदार्थों की जांच के लिए झारखंड सरकार की एक प्रयोगशाला है. यह तीन उच्च स्तरीय उपकरण, 40 आधुनिक उपकरण, सोलर पैनल, डीजल जनरेटर सेट और खाद्य सुरक्षा और मानक एजेंसी नई दिल्ली और राज्य स्त्रोतों से प्राप्त रसायनों से सुसज्जित है. खाद्य विश्लेषक चतुर्भुज मीणा ने बताया कि राज्य के प्रस्ताव पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक एजेंसी 4.36 करोड़ रुपये की लागत से खाद्य पदार्थों के माइक्रोबायोलॉजिकल विश्लेषण का विस्तार कर रही है. उन्होंने बताया कि पूरे झारखंड में मिलावटी खाद्य पदार्थों जैसे सरसों तेल, पाम ऑयल, घी, दूध से बने उत्पाद, जन वितरण प्रणाली द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले दालें, चावल, पान मसाला, चायपत्ती, चीनी और चीनी से बनी मिठाइयों के साथ मसालों की जांच अधिक प्रामाणिकता के साथ की जाएगी.

स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में खूंटी अव्वल, नीति आयोग ने दी 3 करोड़ की पुरस्कार राशि

खूंटी, एजेंसी। नीति आयोग ने स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खूंटी जिले को तीन करोड़ रुपये की राशि से सम्मानित किया है. आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत नीति आयोग शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, आधारभूत संरचना, कृषि, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास जैसे पांच प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति की निगरानी करता है. इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों को प्रोत्साहन के रूप में अतिरिक्त संसाधन दिए जाते हैं, ताकि विकास कार्य और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित हो सकें.

आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत खूंटी जिले ने स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है. डीसी लोकेश मिश्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे जिले के लिए गौरव का क्षण है. यह पुरस्कार जिला प्रशासन के प्रयासों का परिणाम है. पुरस्कार राशि का उपयोग जन कल्याणकारी परियोजनाओं को गति देने तथा क्षेत्र में जीवन स्तर को सुधारने एवं सुदृढ़ करने में किया जाएगा. डीडीसी श्याम नारायण राम ने कहा कि नीति आयोग शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, आधारभूत संरचना, कृषि, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास जैसे पांच प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति की निगरानी करता है. इन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों को प्रोत्साहन के रूप में अतिरिक्त संसाधन दिए जाते हैं, ताकि विकास कार्य और बेहतर ढंग से हो सके. आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत खूंटी जिले ने स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है. डीडीसी ने कहा कि मानदेय के रूप में जिले को मिलने वाले तीन करोड़ रुपये इन क्षेत्रों में खर्च किए जाएंगे, ताकि गरीबों को स्वास्थ्य और पोषण का लाभ मिल सके.

मधुपुर में शिक्षक की बम मारकर हत्या, इलाके में मचा हड़कंप, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया हंगामा

मधुपुर (देवघर), एजेंसी। झारखंड स्टेट प्राइमरी शिक्षक संघ के उप महासचिव सह सरकारी शिक्षक 51 वर्षीय संजय कुमार दास की दिनदहाड़े बम मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार अपराधियों ने सुबह 9 बजे उन पर बम से हमला किया।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि गुरुवार को महुआडाबर प्राथमिक मध्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत संजय कुमार दास सुबह करीब 8.45 बजे अपने विद्यालय आए थे।

यहां हाजरी बनाने के बाद वे किसी काम के लिए अपनी स्कूटी से भेड़वा नवाडीह की ओर आ रहे थे। विद्यालय से कुछ ही दूरी पर दो अज्ञात अपराधियों ने सुबह करीब नौ बजे अचानक उनके पर बम से हमला कर दिया।

अपराधियों ने संजय कुमार दास के चेहरे पर करीब से बम से वार किया, जिससे उनका चेहरा व सिर पूरी तरह से क्षत-विक्षत हो गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान अपराधियों ने लगातार दो बम फेंका। बम का धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के लोग दहल उठे।

बताया जाता है कि अपराधी पैदल आए थे और थैले में बम रखा था। घटना को अंजाम देकर वे पैदल ही मौके पर से भाग निकले। घटना के बाद सैकड़ो की संख्या में लोग जमा हो गए। वहीं घटना के काफी देर बाद तक पुलिस नहीं पहुंचने से लोग अपना रोष जताने लगे।

स्वजन मामले में जमीन विवाद के कारण हत्या किए जाने आशंका जता रहे हैं। घटना करीब आधे घंटे के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र प्रसाद घटनास्थल पहुंचे और मामले की छानबीन में पुलिस टीम के साथ जुट गए।

कुछ देर बाद पथरौल, बुढ़ई, करौं, मार्गोमुंडा, मधुपुर समेत कई थाना की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है और कैंप कर रही है।

स्थानीय लोग मंत्री हफीजुल हसन और एसपी के घटनास्थल पर पहुंचने की मांग कर रहे थे। घटनास्थल पर जमा लोगों ने कहा कि फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वहां से शव को लेकर आने पर थाना गेट के पास प्रदर्शन किया जाएगा । जब तक कैबिनेट मंत्री और एसपी नहीं आ जाते तक तक प्रदर्शन जारी रहेगा। हत्या किन कारणों से हुई है यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

घटना के घंटो बाद तक मृतक का शव सड़क पर घटनास्थल पर ही पड़ा है। शिक्षक की स्कूटी भी पास में ही पड़ी थी। पुलिस ने मृतक के शरीर के अंग और बम का अवशेष को जमा किया। ये अवशेष शव से काफी दूर तक बिखरे पड़े थे, जिसे बरामद कर लिया गया है।

घटना के बाद से स्वजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं पुलिस अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। इधर झामुमो विधायक उदय शंकर सिंह घटनास्थल पहुंचे और घटना की निंदा करते हुए अपराधियों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तार करने को कहा है।

जेल के कैदी को भगाने में किसने की मदद बड़ी कार्रवाई की तैयारी, एसपी ने वार्ड का किया निरीक्षण

पलामू, एजेंसी। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल से ऋषिकेश दुबे नाम का कैदी सात फरवरी को फरार हो गया था. पलामू सेंट्रल जेल के विचारधीन कैदी के एमएमसीएच से फरार होने के मामले में बड़ी कार्रवाई होगी. कैदी फरार होने के मामले में एसपी रीष्मा रमेशन ने गुरुवार को कैदी वार्ड का निरीक्षण किया.

इस निरीक्षण में कई बिंदुओं पर जांच की गई है. पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि वार्ड का निरीक्षण किया गया है, कैदी के भगाने में कुछ लोगों की संलिप्तता सामने आई है. मामले में कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने बताया कि जेल प्रबंधन कैदी वार्ड को शिफ्ट करने के लिए पत्र लिखा है. मामले में समीक्षा किया जा रही है. दरअसल ऋषिकेश दुबे पलामू के पाटन थाना क्षेत्र का रहने वाला है. दिसंबर 2023 से वह हत्या के आरोप में पलामू सेंट्रल जेल में बंद है. कैदी भागने के मामले में सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने एक जांच रिपोर्ट भी तैयार की है. इस जांच रिपोर्ट में कैदी वार्ड में तैनात जवान की लापरवाही भी पकड़ी गई है. कैदी वार्ड में तैनात तीनों जवानों को निलंबित करने की अनुशंसा भी की गई है. घटना के दिन ऋषिकेश दुबे का मोबाइल से बातचीत करते हुए एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, बातचीत के बाद सीसीटीवी फुटेज में यह नजर आ रहा है कैदी वार्ड के बाहर बाइक सवार दो युवक उसे लेने आए थे. ऋषिकेश टुडे कैदी वार्ड में हाथ मुंह धोने के बहाने बाहर निकाला था और फरार हो गया.

जंगली हाथियों से बचाव के लिए वन विभाग ने लॉन्च किया ये मोबाइल ऐप, ऐसे मिलेगी जानकारी

बोकारो, नागेश्वर, एजेंसी। जंगली हाथियों की वजह से होने वाले नुकसान को देखते हुए वन विभाग ने इससे बचाव के लिए हमार हाथी ऐप लॉन्च किया है. इस ऐप को डाउनलोड करते ही 15 से 20 किलो मीटर के दायरे से हाथियों के भ्रमण की सूचना मिल जाएगी. वहीं, 5 किलो मीटर के रेडियस में आने से मोबाइल की घंटी बजने लगेगी. इससे आसानी से पता चल जाएगा कि हाथियों का झुंड पहुंच गया है.

यह बेल लोगों को सतर्क करने और जानमाल की क्षति से बचाव के लिए अलार्म होगा. ताकि लोग समय रहते आवश्यक उपाय कर लें. ये जानकारी हजारीबाग पूर्वी वन प्रमंडल के डीएफओ विकास कुमार उज्जवल ने दी. उन्होने कहा कि हमार हाथी एप्लीकेशन को आभियान चलाकर हाथी प्रभावित क्षेत्रों में आम ग्रामीणों के अलावा जन प्रतिनिधियों को इस ऐप के बारे में बताया जा रहा है और लोगों से इंस्टॉल करने की अपील की जा रही है.

बता दें कि चतरोचट्टी वन क्षेत्र, झुमरा पहाड़ समेत कई इलाकों में अक्सर जगंली हाथियों का विचरण होता रहता है. इस दौरान हाथियों का झुंड खेतों मे लगी फसल और ग्रामीणों के आवास को भारी क्षति पहुंचाते हैं. इन घटनाओं से बचने के लिए ही वन विभाग द्वारा हमार हाथी एप्लीकेशन को लॉन्च किया गया है. इस ऐप को मोबाइल में डाउनलोड करने से हाथियों के आगमन की जानकारी मिल सकेगी.

पारसनाथ जुग जाहेरथान विवाद पर झामुमो और कांग्रेस आमने-सामने ! भाजपा की ओर से भी दी गई तीखी प्रतिक्रिया

रांची, एजेंसी। पारसनाथ स्थित जुग जाहेरथान विवाद को लेकर आदिवासियों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर दोहरा चरित्र अपनाने का आरोप लगाते हुए राज्यपाल से हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई थी. अब इस मुद्दे पर झारखंड में राजनीति भी शुरू हो गई है. यहां तक कि इंडिया ब्लॉक के दो बड़े दल झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस मामले में आमने-सामने हैं. जबकि झारखंड भाजपा की ओर से भी बयान दिया गया है.

आदिवासी हितों से समझौता नहीं होगा: मनोज पांडेय

मामले में झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने दो टूक शब्दों में कहा कि हेमंत सोरेन को किसी की सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि झारखंड आदिवासियों और मूलवासियों का प्रदेश है और उनके लिए ही झारखंड का निर्माण हुआ है. रही बात जाहेरथान कि तो जो भी हेमंत सोरेन की सोच है निश्चित रूप से उसका पालन होगा. उन्होंने कहा कि जैन समाज की अपनी सोच है. उनका अपना धर्म और रीति-रिवाज है, लेकिन उनके रीति-रिवाजों को देखते हुए आदिवासी अपना रीति-रिवाज बदल दें, यह उचित नहीं होगा. हालांकि बलि के बाद हुई एफआईआर पर उन्होंने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है, लेकिन राज्य में आदिवासी हितों से समझौता नहीं होगा.

बलि प्रथा अन्याय और जुल्म: रूमी खुर्शीद

वहीं दूसरी ओर मामले में झारखंड कांग्रेस के प्रदेश

प्रवक्ता रूमी खुर्शीद ने कहा कि बलि प्रथा आज से 100 साल पहले के मामलात हो सकते हैं, लेकिन आज के मॉर्डन युग में ये कुप्रथा नहीं चलेगी. ये अन्याय और जुल्म है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन गिरिडीह गए थे. वहां कुछ लोगों ने बलि दी थी. जिसपर एफआईआर दर्ज हुई थी. मैं मामले कार्रवाई की मांग करता हूं. उन्होंने कहा कि इसका विरोध हर स्तर पर होना चाहिए. समाज को ऊपर आने के लिए इन कुप्रथाओं से अलग हटना चाहिए. हम इसका समर्थन नहीं करते. महागठबंधन की सरकार इसका विरोध करती है और इसके खिलाफ जो संभव कार्रवाई होगी की जाएगी.

एक सवाल से जवाब में उन्होंने कहा कि राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा, राजद और कांग्रेस के गठबंधन से सरकार चल रही है. ऐसे में कोई एक दल कोई कार्यक्रम करना चाहेगा और कोई दूसरा दल उसका विरोध करेगा ऐसा नहीं चल सकता. इसके लिए महागठबंधन की को-ऑर्डिनेशन कमेटी बनी हुई है. कमेटी में जो चीजें तय होगी सरकार को उसका क्रियान्वयन करना है और इस सरकार को मजबूती से चलाने के लिए गठबंधन को साथ लेकर चलना होगा.

धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाना ठीक नहीं: प्रदीप सिन्हा

इधर, जुग जाहेरथान को लेकर उठे विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि जानबूझकर किसी की धार्मिक भावना को ठेस नहीं पहुंचाना चाहिए.बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा ने कहा कि कोई भी समाज हो उसके धर्म का हर लोगों को सम्मान करना चाहिए. पारसनाथ जैनियों का पवित्र तीर्थ स्थल है और वहां पर किसी भी तरह की हिंसा पर रोक है. जिन लोगों ने बलि दी थी उन लोगों पर मुकदमे हुए और प्रक्रिया के तहत नोटिस भेजी जा रही है.

समाज को लड़ाने वाले लोगों को किनारे करने की आवश्यकता है. पारसनाथ को लेकर समाज के बीच टकराव पैदा करने की कोशिश की जा रही है. एक पक्ष वहां अपना दावा करता रहा है, जबकि जैन धर्म के लोगों का पवित्र स्थान माना जाता है. पारसनाथ जैनियों के धार्मिक आस्था का केंद्र है. इसलिए इसके साथ खिलवाड़ करने की इजाजत कम से कम राज्य सरकार को तो नहीं ही देनी चाहिए.

क्या है पूरा मामला: दरअसल, 19 जुलाई 2024 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन और समर्थकों के साथ दिशोम मांझीथान में पूजा करने गए थे. इस दौरान डीसी के साथ एसपी और बीडीओ भी मौजूद थे. मांझीथान में मुख्यमंत्री ने 10 बकरों को अक्षत खिलाया था. इसके बाद पूजा में मुख्य भूमिका निभा रहे बाबूराम सोरेन (भारती चलकरी) और पुजारी चांदोलाल टुडू से समाज के लोगों ने पूछा कि बकरों की बलि दी जाएगी या नहीं. उस समय यह बताया गया कि मुख्यमंत्री द्वारा अक्षत खिलाए गए बकरों की बलि नहीं दी जाएगी तो किसकी बलि दी जाएगी बैसी के नेताओं का कहना है कि उस दिन जब मुख्यमंत्री मांझीथान से जाने लगे तो पुजारी के आदेशानुसार 10 बकरों में से एक की बलि दे दी गई. शेष 09 बकरों को लेकर मुख्यमंत्री के कुछ समर्थक वहां से चले गए.

आदिवासी नेताओं के अनुसार हम सभी आदिवासी लोग बकरे को अक्षत खिलाते हैं और वहीं पर उसकी बलि देते हैं. आदिवासियों के धार्मिक अनुष्ठानों में यही परंपरा रही है. यहां सीएम ने दोहरा चरित्र अपनाया. हम आदिवासी सवाल करते हैं कि अगर हेमंत सोरेन जी को जुग जाहेरथान, दिशोम मांझीथान और मरांग बुरु पर भरोसा है, तो वह इसका खुलकर ऐलान करें और जैन धर्म और आदिवासियों की संस्कृति के बीच भ्रम को दूर करने का संतुलित रास्ता निकालकर आदिवासी समाज का दिल जीतने का काम करें. आदिवासी धार्मिक नेताओं के अनुसार 19 जुलाई 2024 को पूजा के बाद बलि को असामाजिक बताकर मामला दर्ज कर दिया गया .

सुभाषितम्

वह एक मात्र स्थान है जहां आपके सपने असंभव होते हैं वह है स्वयं आपका मस्तिष्क - अज्ञात

रुपए और शेयर बाजार की गिरावट से हाहाकार

भारतीय रुपया पिछले कई महीनो से गिरावट का सामना कर रहा है। पिछले दिनों जब रुपया अत्यधिक गिरने लगा। रुपए की गिरावट को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को 13 बिलियन डॉलर बाजार में डालने पड़े। रिजर्व बैंक ने डॉलर बेचकर रुपए की कीमत को गिरने से रोका गया। रुपये की स्थिति को नियंत्रित करने आगे आना पड़ा। यह पहली बार नहीं है। जब केंद्रीय बैंक को इस तरह से रुपए की गिरावट को रोकने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा हो। रिजर्व बैंक ने इस बार सबसे ज्यादा जोखिम लेकर ऐसे समय पर डॉलर को बेचा है। जब डॉलर की सबसे ज्यादा जरूरत रिजर्व बैंक और सरकार को है। जिसके कारण देश के अर्थशास्त्रियों में देश की अर्थव्यवस्था को लेकर सबसे बड़ी चिंता के रूप में इसे देखा जा रहा है। इस बार की स्थिति अधिक गंभीर नजर आ रही है। रुपए की गिरावट के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं। वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती, विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से पूंजी निकालना, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, देश में बढ़ती महंगाई के कारण रुपए पर लगातर दबाव बना रहे है। आरबीआई ने बाजार में भारी मात्रा में डॉलर झोंककर रुपए को स्थिर करने का जो प्रयास किया है। इससे बाजार में नकदी का संकट उत्पन्न हो गया है। वर्तमान में स्थिति यह है, रिजर्व बैंक को लगभग ढाई लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि बैंकों को मुहैया करानी पड़ सकती है। ताकि बैंकों में नकदी का संकट उत्पन्न ना हो। सरकार और रिजर्व बैंक के द्वारा जिस प्रकार से अर्थव्यवस्था पर नीतिगत हस्तक्षेप किए जा रहे हैं। उससे यह स्पष्ट होता है, भारतीय अर्थव्यवस्था अभी तक के सबसे अस्थिर दौर से गुजर रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक द्वारा जब तक ठोस आर्थिक सुधार नहीं होंगे, तब तक इस तरह के प्रयास से जो भी समाधान होगा, वह अस्थायी ही रहेगा। आगे चलकर इसके परिणाम भयावह होंगे। सरकार और आरबीआई बाजार में डालर ओर नगदी झोंककर रुपए और अर्थव्यवस्था बैंकिंग को संभालने की कोशिश कर रहे है। यह स्थायी समाधान नहीं होगा। केंद्र सरकार को इस तरह के अस्थाई प्रयास करने के स्थान पर बजाय, सरकार को निर्यात मे बढ़ावा देना, विदेशी निवेश को आकर्षित करना, घरेलू उत्पादन को मजबूत करना तथा जरूरी चीजों का आयात करने की नीति पर काम करना होगा। इसके अलावा, महंगाई भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। पिछले कुछ वर्षों से खाद्य पदार्थों और आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। पिछले एक दशक में टैक्स भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं। जिसके कारण आम लोगों की क्रय शक्ति लगातार कम हो रही है। आम आदमी खर्च करने के लिए कर्ज ले रहा है। सोना गिरवी रखकर बच्चों की पढ़ाई और जरूरी चीजों में खर्च कर रहा है। लोगों की कमाई नहीं बढ़ रही है। खर्च लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। अब तो कर्ज चुकाने की भी स्थिति नहीं रही। जो सोना गिरवी रखा था, वह बैंकों या एनएफसी कंपनियों द्वारा नीलाम किया जा रहा है। महंगाई, मांग और आपूर्ति में लगातार बढ़ता अंतर अर्थव्यवस्था में कई तरह के दुष्प्रभाव डाल रहा है। इस स्थिति को जल्द नहीं संभाला गया। आने वाले कुछ ही दिनों में मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए जीवनयापन और भी कठिन हो जाएगा। भारत में आंतरिक मांग और आपूर्ति लगातार घटती चली जाएगी। इससे बेरोजगारी जैसी समस्याओं में और भी वृद्धि होगी। जो सरकार के लिए कई और भी चुनौतियों को पैदा करेगी। डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकने के लिए अल्पकालिक उपायों पर निर्भर रहना, घातक रणनीति होगी। सरकार और आरबीआई को दीर्घकालिक नीति तैयार करनी होगी। सरकार वास्तविक स्थितियों को स्वीकार करे। वर्तमान स्थिति से बाहर निकालने के लिए अर्थशास्त्रियों की मदद ले आयात और निर्यात व्यापार का संतुलन बनाने की सबसे बड़ी जरूरत है। आयत और निर्यात में संतुलन नहीं बनाया गया तो डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकना संभव ही नहीं है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को मजबूत आर्थिक नीतियों, व्यापार संतुलन और वित्तीय अनुशासन पर विशेष ध्यान देना होगा। जिस तरह की अस्थायी राहत के प्रयास किया जा रहे हैं। यह राहत ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाएगी।

चिंतन-मनन

भक्तों की सहायता करते हैं ईश्वर

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्र कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं। गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है। सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढ़े में गिर गये। गड्ढ़े से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढ़े से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया। बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छः सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था।

देश भर में पत्रकारों को मिले एक समान पेंशन

- डॉ. सत्यवान सौरभ

पेंशन पाने के लिए आपको हरियाणा सरकार से पांच साल की अवधि के लिए मान्यता प्राप्त होना चाहिए। इस आदेश के तहत बीस साल से इस क्षेत्र में काम कर रहे पत्रकारों को पेंशन मिलेगी। 30 से 40 साल तक अखबार के लिए रिपोर्टिंग करने के बाद, जिन पत्रकारों को पांच साल तक हरियाणा सरकार से मान्यता नहीं मिली है, उन्हें कोई लाभ नहीं मिलेगा। सभी पत्रकारों को सरकारी मान्यता मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा सरकार को साठ साल की उम्र तक पहुँचने वाले सभी पत्रकारों को पत्रकार पेंशन देनी चाहिए। ऐसा करने के लिए, तहसील स्तर पर पत्रकारों को मान्यता देने पर सहमति होनी चाहिए। इसलिए, सामाजिक सुरक्षा और पेंशन के सम्बंध में, सरकार को एक राष्ट्रीय टीम का गठन करना चाहिए। जो राज्यों और केंद्र की नीतियों पर शोध करेगी और सभी पत्रकारों को एक टुकड़ा देने के बजाय एक सभ्य पेंशन प्रदान करेगी। जो केंद्र और राज्यों की योजनाओं का अध्ययन करे और टुकड़े-टुकड़े में कुछ को कुछ देने के बजाए सभी पत्रकारों को सम्मानजनक पेंशन दे।

सरकार अभी भी पेंशन को अपनी जिम्मेदारी मानती है। उसने पेंशन खत्म नहीं की है। वह कई तरह की पेंशन देती है। विधायक और सांसद दोनों को पेंशन मिलती है। विधायक, सांसद और राज्यसभा सदस्य बनने के बाद आप तीन तरह की पेंशन पाने के हकदार होते हैं। कुछ लोगों को तीन तरह की पेंशन मिलती है और कुछ को एक भी नहीं मिलती। कुछ राज्यों में पुरस्कार विजेताओं को भी पेंशन मिलती है, यह कैसा न्याय है? गरीब और शोषित लोगों की आवाज पत्रकारों के जरिए उठती रही है। इन लोगों के पास अपने शब्दों की ताकत की बदौलत कई काम किये हैं। अब जरूरी है कि दूसरे जनप्रतिनिधि और समुदाय भी पत्रकारों के लिए अपनी आवाज उठाएँ। अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए वे पत्रकारों के मुद्दे को उठाएँ और मौलिक अधिकारों के लिए लड़ें। यह दुखद है कि हमारे पत्रकार वंचितों के अधिकारों की वकालत करते हैं। वे अपना काम करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। वे अपने प्रियजनों की चिंताओं से बचने के लिए सुबह से शाम तक भागते रहते हैं।

जब तक वे किसी समस्या का समाधान नहीं कर लेते, तब तक वे काम करना बंद नहीं करते। हालांकि, वे अपने मुद्दों के बारे में लिखने में असमर्थ हैं। अभी तक श्रम संसाधन विभाग ने पत्रकारों को कुशल श्रमिकों की सूची में नहीं रखा है। विशेष रूप से, पत्रकारों के सामने तीन महत्त्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिनका समाधान किया जाना आवश्यक है। पेंशन के लिए कार्य अनुभव से सम्बंधित नियमों को ढीला किया जाना चाहिए ताकि सरकारी मान्यता की आवश्यकता को समाप्त किया जा सके। इसके अलावा, ग्रामीण पत्रकारों को मान्यता देने के लिए सरकार को अपने राजपत्र में ज़िला और उपखंड के बाद ब्लॉक को शामिल करना चाहिए। पत्रकारों को भी श्रम संसाधन विभाग का हिस्सा होना चाहिए। कुशल मजदूरों की सूची में वे कुशल कर्मचारी शामिल हैं जो सामग्री तैयार करते हैं। गर्मी, सर्दी और बरसात की परिस्थितियों में पत्रकार चौबीसों घंटे काम करते हैं। श्रमिक के काम का एक समय होता हैं लेकिन पत्रकार के काम करने के घण्टे तय नहीं होते। पत्रकार और पत्रकारिता दोनों संक्रमण काल के दौर से गुजर रहे हैं।

पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए भारत सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों को भी कदम उठाने चाहिए। सरकार को पत्रकार उत्पीड़न के समाधान के लिए योजना बनानी चाहिए, क्योंकि यह एक गंभीर मुद्दा है। आज कार्यरत सभी पत्रकारों को चिकित्सा सुविधा, पत्रकारों के लिए सुरक्षा, पेंशन और डेस्क कर्मियों के लिए प्रेस मान्यता की तत्काल आवश्यकता है। ग्रामीण पत्रकारों को सरकार द्वारा पत्रकार के रूप में मान्यता प्रदान की जानी चाहिए। श्रम संसाधन विभाग को कुशल श्रमिकों की स्थिति को रेखांकित करते हुए एक सूची प्रकाशित करनी चाहिए और अपने राजपत्र में संशोधन करना चाहिए। पत्रकार समुदाय जल्द ही बीमा और अन्य श्रमिक-प्रदत्त सुविधाओं जैसे लाभों का लाभ उठा सके। पत्रकार भी सक्षम पेशेवर हैं। वे सामग्री का योगदान करते हैं, जिसे बाद में समाचार पत्र में बदल दिया जाता है। एक समाचार पत्र एक उत्पाद है और हमारे पत्रकार विशेषज्ञ श्रमिकों के रूप में इसे बनाने में भूमिका निभाते हैं। इसलिए, सरकार को इस पर तुरंत विचार करना चाहिए। पत्रकार पेंशन योजना और पत्रकार बीमा योजना पत्रकारों के कल्याण के लिए दो महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम हैं जिन्हें सरकार को इसके अलावा उचित रूप से लागू करना चाहिए। पत्रकार पेंशन योजना का लाभ कुछ पत्रकारों को मिलता है। हालांकि, कई पत्रकार पेंशन योजना के लिए पात्र नहीं हैं। इसके लिए पत्रकार पेंशन योजना के नियमों में ढील की जरूरत है। वर्तमान में विभिन्न राज्यों में पत्रकार पेंशन पाने वालों के लिए अलग-अलग शर्तें हैं।

उदाहरण के लिए, हरियाणा में बीस साल के कार्य अनुभव के अलावा पांच साल की सरकारी मान्यता की आवश्यकता होती है। इसका खामियाजा बड़ी संख्या में वरिष्ठ पत्रकारों को भुगतना पड़ता है। नतीजतन, यदि इस नियम में ढील दी जाती है तो पत्रकारों को पत्रकार बीमा योजना जैसे हलफनामों के आधार पर पेंशन मिलनी चाहिए। पेंशन पात्रता वरिष्ठ पत्रकार के दस साल के कार्य अनुभव के आधार पर होनी चाहिए, जिसमें 60 साल की आयु सीमा होनी चाहिए। पत्रकार पेंशन योजना के अनुसार उन्हें उनके हलफनामे और साठ साल की आयु के आधार पर पेंशन मिलनी चाहिए। कार्य अनुभव प्रमाण पत्र के सम्बंध में सरकार को प्रत्येक जिले के ज़िला सूचना जनसंपर्क विभाग से सूची उपलब्ध करानी चाहिए। पत्रकार जब भी चुनाव में जाते हैं तो चुनाव आयोग के माध्यम से ज़िला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी पहचान पत्र प्रस्तुत करते हैं। इसके अलावा, पत्रकार प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य प्रमुख कार्यक्रमों को कवर करते हैं। समाचार कवरेज के दौरान विभिन्न प्रमुख राजनीतिक दल और ज़िला सरकार विशेष पहचान पत्र जारी करते हैं।

महान वैज्ञानिक गैलीलियो

-संजय गोस्वामी

गैलीलियो का जन्म 15 फरवरी 1564 को पीसा, टस्कनी में हुआ था। वे विन्सेन्जो गैलिली के सबसे बड़े पुत्र थे। विन्सेन्जो गैलिली एक संगीतकार थे, जिन्होंने संगीत के सिद्धांत और व्यवहार में महत्वपूर्ण योगदान दिया था और जिन्होंने 1588-89 में गैलिली के साथ स्वर और तार के तनाव के बीच के संबंध पर कुछ शोध किया था। 1570 के दशक के आरम्भ में परिवार फ्लोरेंस चला गया, जहां गैलिली परिवार कई पीढ़ियों से रहता था। बचपन में गैलीलियो ने फ्लोरेंस के पास वलोम्ब्रोसा के एक कॉन्वेंट स्कूल में शिक्षा प्राप्त की, तथा 1581 में उन्होंने पीसा विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, जहां उन्होंने चिकित्सा का अध्ययन किया। हालाँकि, वे गणित के प्रति आकर्षित हो गये और अपने पिता के विरोध के बावजूद उन्होंने गणित और दर्शनशास्त्र को अपना करियर बनाने का निर्णय लिया। इसके बाद गैलीलियो ने अरस्तू के दर्शन और गणित पढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी और उनके कई व्याख्यान आज भी मौजूद हैं। 1585 में गैलीलियो ने स्नातक की डिग्री प्राप्त किये बिना ही विश्वविद्यालय छोड़ दिया, और कई वर्षों तक फ्लोरेंस और सिएना में गणित की निजी कक्षाएं दीं। इस दौरान उन्होंने छोटी मात्राओं को मापने के लिए एक नए प्रकार का हाइड्रोस्टेटिक संतुलन तैयार किया और एक छोटी पुस्तक, ला बिलांसेटा (द लिटिल बैलेंस) लिखी, जिसे पांडुलिपि के रूप में वितरित किया गया। उन्होंने आंदोलन पर भी अपना अध्ययन शुरू किया, जिसे उन्होंने अगले बीस वर्षों में धीरे-धीरे जारी रखा।1588 में गैलीलियो ने बोलोग्ना विश्वविद्यालय में गणित के अध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया लेकिन असफल रहे। हालाँकि, उनकी प्रतिष्ठा बढ़ी और बाद में उसी वर्ष उन्हें फ्लोरेंटाइन अकादमी, जो एक प्रतिष्ठित साहित्यिक समूह था, में दांते के इन्फर्नो में दुनिया की पृष्ठभूमि पर दो व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने गुरुत्वाकर्षण के केंद्रों पर भी अद्भुत सिद्धांत खोजे (पुनः, पांडुलिपि में प्रकाशित) जिससे उन्हें गणितज्ञों के बीच मान्यता मिली और उन्हें गुइडोबाल्डो डेल मोंटे (1545-1607) का संरक्षण प्राप्त हुआ, जो एक महान व्यक्ति थे और यांत्रिकी पर कई महत्वपूर्ण कार्यों के लेखक थे। परिणामस्वरूप, उन्हें 1589 में पीसा विश्वविद्यालय में गणित की उपाधि प्राप्त हुई। वहां, उनके पहले इतिहासकार, विन्सेन्जो

विवियानी (1622-1703) के अनुसार, गैलीलियो ने प्रसिद्ध लीनिंग टॉवर के शीर्ष से विभिन्न भारों के पिंडों को गिराकर यह प्रदर्शित किया कि किसी भारी वस्तु के गिरने की गति उसके भार के समानुपाती नहीं होती है, जैसा कि अरस्तू ने कहा था। इस अवधि के दौरान पूर्ण किया गया हस्तलिखित ग्रंथ डी मोटू (गति पर) से पता चलता है कि गैलीलियो गति के बारे में अरस्तू के विचारों को त्याग रहे थे और इसके स्थान पर समस्या के प्रति आर्किमिडीज का दृष्टिकोण अपना रहे थे। लेकिन अरस्तू पर उनके हमलों के कारण वे अपने सहकर्मियों के बीच अलोकप्रिय हो गये और 1592 में उनका अनुबंध नवीनीकृत नहीं किया गया। हालाँकि, उनके प्रायोजकों ने उनके लिए पडुआ विश्वविद्यालय में गणित का एक पद सुरक्षित कर दिया, जहाँ उन्होंने 1592 से 1610 तक पढ़ाया।गैलीलियो एक इतालवी प्राकृतिक दार्शनिक, खगोलशास्त्री और गणितज्ञ थे जिन्होंने गति विज्ञान, खगोल विज्ञान, पदार्थों की गतिशीलता और वैज्ञानिक पद्धति के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। (वृत्ताकार) जड़त्व, गिरती हुई वस्तुओं के नियम और परवलयिक प्रक्षेप पथ के उनके सूत्रीकरण ने गति के अध्ययन में एक मौलिक परिवर्तन की शुरूआत की। उनका यह आग्रह कि प्रकृति की पुस्तक को गणित की भाषा में लिखा जाना चाहिए, ने प्राकृतिक दर्शन को एक कथात्मक, गुणात्मक दृष्टिकोण से गणितीय दृष्टिकोण में परिवर्तित कर दिया, जिसमें प्रयोग प्राकृतिक तथ्यों की खोज की मान्यता प्राप्त विधि बन गई। अंततः, दूरबीन से संबंधित उनकी खोजों ने खगोल विज्ञान में क्रांति ला दी और कोपरनिकस के सूर्यकेन्द्रित सिद्धांत की स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त किया, लेकिन उस सिद्धांत की वकालत के कारण अंततः उनके खिलाफ इन्क्विजिशन चलाया गया।गैलीलियो का जन्म 15 फरवरी 1564 को पीसा, टस्कनी में हुआ था। वे विन्सेन्जो गैलिली के सबसे बड़े पुत्र थे। विन्सेन्जो गैलिली एक संगीतकार थे, जिन्होंने संगीत के सिद्धांत और व्यवहार में महत्वपूर्ण योगदान दिया था और जिन्होंने 1588-89 में गैलिली के साथ स्वर और तार के तनाव के बीच के संबंध पर कुछ शोध किया था। 1570 के दशक के आरम्भ में परिवार फ्लोरेंस चला गया, जहां गैलिली परिवार कई पीढ़ियों से रहता था। बचपन में गैलीलियो ने फ्लोरेंस के पास वलोम्ब्रोसा के एक कॉन्वेंट स्कूल में शिक्षा प्राप्त की, तथा 1581 में उन्होंने पीसा विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, जहां उन्होंने चिकित्सा का अध्ययन किया। हालाँकि, वे गणित के प्रति आकर्षित हो गये और अपने पिता के विरोध के बावजूद उन्होंने गणित और दर्शनशास्त्र को अपना करियर बनाने का निर्णय लिया। इसके बाद गैलीलियो ने अरस्तू के दर्शन और गणित पढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी और उनके कई व्याख्यान आज भी मौजूद हैं। 1585 में गैलीलियो ने स्नातक की डिग्री प्राप्त किये बिना ही विश्वविद्यालय छोड़ दिया, और कई वर्षों तक फ्लोरेंस और सिएना में गणित की निजी कक्षाएं दीं। इस दौरान उन्होंने छोटी मात्राओं को मापने के लिए एक नए प्रकार का हाइड्रोस्टेटिक संतुलन तैयार किया और एक छोटी पुस्तक, ला बिलांसेटा (द लिटिल बैलेंस) लिखी, जिसे पांडुलिपि के रूप में वितरित किया गया। उन्होंने आंदोलन पर भी अपना अध्ययन शुरू किया, जिसे उन्होंने अगले बीस वर्षों में धीरे-धीरे जारी रखा।1588 में गैलीलियो ने बोलोग्ना विश्वविद्यालय में गणित के अध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया लेकिन असफल रहे। हालाँकि, उनकी प्रतिष्ठा बढ़ी और बाद में उसी वर्ष उन्हें फ्लोरेंटाइन अकादमी, जो एक प्रतिष्ठित साहित्यिक समूह था, में दांते के इन्फर्नो में दुनिया की पृष्ठभूमि पर दो व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय चुनाव: भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा संघर्ष

- सत्यप्रकाश दुबे

2025 के नगरीय निकाय चुनाव ने छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक नया मोड़ लिया है। राज्यभर के नगर निगम, नगर पालिका, और नगर पंचायतों के लिए 11 फरवरी 2025 को मतदान हुआ। अब, 15 फरवरी को होने वाली मतगणना के बाद यह साफ हो जाएगा कि कौन सी पार्टी राज्य के नगरीय निकायों में अपनी सरकार बनाएगी। दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस ने इस चुनाव के लिए अपनी-अपनी रणनीतियाँ बनाई थीं और अब परिणाम यह तय करेंगे कि इनमें से किस पार्टी ने जनता को अपने पक्ष में करने में कामयाब रहा। नगरीय निकाय चुनाव में निर्वाचन आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का उपयोग किया था। यह तकनीकी कदम न केवल मतदान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाता है, बल्कि मतदाताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रक्रिया को भी सुगम बनाता है। मतदान के दौरान छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों में बड़े पैमाने पर चुनावी प्रचार देखा गया। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने समर्थकों को सक्रिय किया और मतदाताओं को अपनी पार्टी के पक्ष में वोट देने के लिए प्रेरित किया। निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश के सभी हिस्सों में मतदान केंद्रों पर सुरक्षा की सख्त व्यवस्था की गई थी। सभी राजनीतिक पार्टियां निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अपने पार्टी का प्रचार प्रसार किया। चुनाव के परिणाम आने से पहले, यह कहा जा सकता है कि दोनों पार्टियों ने अपनी चुनावी रणनीतियों को स्थानीय मुद्दों और राष्ट्रीय मुद्दों के आधार पर तैयार किया था। कांग्रेस ने स्थानीय मुद्दों, जैसे बुनियादी सुविधाओं की कमी, रोजगार और विकास की दिशा में सरकार की नाकामियों को प्रमुखता से उठाया। दूसरी ओर, भाजपा ने विकास, सुरक्षा, केंद्र सरकार की योजनाओं और अटल विकास पत्र को चुनावी मुद्दे के रूप में प्रस्तुत किया। दोनों दलों ने राज्य के जनता को अपनी योजनाओं और सिद्धांतों के बारे में बताया और उन्हें यह विश्वास दिलाने की कोशिश की कि उनके नेतृत्व में राज्य का भविष्य उज्जवल रहेगा। भारतीय जनता पार्टी ने इस चुनाव में विकास और सुरक्षा को प्रमुख मुद्दा बनाया। भाजपा ने चुनावी प्रचार में यह दावा किया कि उसकी सरकार ने राज्य में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाया है, और राज्य की कानून-व्यवस्था में सुधार किया है। पार्टी ने प्रधानमंत्री आवास योजना, सड़क निर्माण, अटल विकास संकल्प पत्र और अन्य सरकारी योजनाओं को प्रचारित किया। इसके अलावा, भाजपा ने सुरक्षा के मुद्दे पर भी जोर दिया। भाजपा ने हमेशा ही राज्य की जनता को यह भरोसा दिलाने की कोशिश की कि वह उनके लिए हर संभव कदम उठाएगी। पार्टी ने इस बार जनसभा और नुक्कड़ सभाओं का आयोजन कर बड़े पैमाने पर मीडिया के माध्यम से अपनी योजनाओं को जनता तक पहुँचाया। पार्टी का लक्ष्य था कि वह विकास को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बनाकर जनता का समर्थन प्राप्त करे। कांग्रेस पार्टी ने इस चुनाव में स्थानीय मुद्दों पर ज्यादा जोर दिया। कांग्रेस ने सरकार की नाकामियों को जनता के सामने रखा और चुनाव जीतने पर नगरीय क्षेत्रों में लोक कल्याण योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। कांग्रेस ने महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दों को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाया। उन्होंने यह कहा कि राज्य में कांग्रेस की जीत से लोगों को राहत मिलेगी और उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

आज का राशिफल

मेष आज समय निकालना आसान रहेगा। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का दिन है।

तुला कुछ आप अपने अदूरदर्शी स्वभाव के कारण स्वयं भी खड़ी कर लेते हैं।

वृषभ आपको स्थायी प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की ही खरीदारी करनी चाहिए।

वृश्चिक समाचार मिलेगा। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आए तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें।

मिथुन आज समय आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे।

धनु आज नए संपर्क से लाभ मिलेगा। अतीत के संदर्भ में अनुसंधान का फायदा भी मिल सकता है।

कर्क आज नए प्रोजेक्ट्स के लिए प्रयास करेंगे। आज कुछ नई डील्स पर आप चर्चा कर सकते हैं।

मकर कामों में भाग लेते रहने के कारण आपका सम्मान बढ़ेगा। ग्रह चाल भाग्य विकास में सहायक है।

सिंह कारोबार की चिन्ता विशेष रूप से परेशान करेगी। पिछले काफी दिनों से व्यवसाय नियमिति नहीं है।

कुंभ उच्चाधिकारियों की घनिष्टता से लाभ उठाने का सुअवसर आज दिन भर बना रहेगा।

कन्या आज प्रोफेशनल लाइफ में काफी बदलाव आएंगे। विशेष प्रकार की भागदौड़ आपको करनी पड़ेगी।

मीन अध्ययन व आध्यात्म में रूचि बढ़ना स्वाभाविक है। विवादास्पद प्रकरण समाप्त होंगे।

विशेष

नेताओं की संगम तट पर डुबकी और अच्छे दिन की आशा

भारत के सभी प्रमुख नेताओं ने महा कुंभ के अवसर पर प्रयागराज के संगम तट पर जाकर डुबकी लगा ली है। हनुमान जी के दर्शन भी सभी नेताओं ने कर लिए हैं।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित सैकड़ो संवैधानिक पदों पर बैठे हुए नेता,जज, और बड़े बड़े अधिकारियों ने डुबकी लगाकर संगम तट पर अपने पापों को धो लिया है।आम जनता को अब विश्वास होने लगा है।जल्दी भारत के अच्छे दिन आएंगे। अच्छे दिन को लेकर जो इंतजार जनता को था। 11 वर्षों से जिसका इंतजार हो रहा था,अब वह खत्म होगा। महाकुंभ के दौरान जितने भी पाप थे। महाकुंभ खत्म होने के साथ वह पाप भी खत्म हो जाएंगे। सनातन की गंगा बहेगी, दूध की नदियां बंहेगी और रामराज्य का सुख मिलना तय है।

मोदी जी जैसा कोई नहीं

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस और अमेरिका की यात्रा पर गए हैं।भारत में जिस तरह से अमेरिका ने भारतीय प्रवासियों को जंजीरों में जकड़कर भेजा था। जिस तरह से भारत के ऊपर शुल्क लगाए गए। बजट में अमेरिका ने दबाव डालकर भारतीय शुल्क को घटाने में सफलता हासिल कर ली।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1562 : फ्रांस में पहला धर्मयुद्ध हुआ. 1640 : अंग्रेजों को मद्रास में व्यापार का अधिकार मिला. 1767 : स्पेन नरेश चार्ल्स तृतीय ने अपने यहां से रोमन कैथोलिक पादरियों को निष्कासित किया. 1775 : नाना फड़नवीस और अंग्रेजों के बीच संधि हुई. 1799 : नेपोलियन बोनापोर्ट के फ्रांस पहुंचने पर लुई १८ वें देश छोड़कर भाग गए. 1908 : टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी की स्थापना हुई. 1979 : महात्मा गांधी ने रौलट एक्ट के खिलाफ सत्याग्रह की घोषणा की. 1932 : उड़ान के क्षेत्र में अग्रणी अमरीकी चार्ल्स लिंडबर्ग के पुत्र का अपहरण न्यू जर्सी से हुआ. 1966 : सोवियत संघ का अंतरिक्ष यान साढ़े तीन महीने की यात्रा के बाद शुक्र ग्रह पर उतरा. 1989 : नामीबिया की स्वतंत्रता के क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रसंघ ने 4.60 लाख डॉलर की राशि मंजूर की. 1995 : पूर्वोत्तर भारत में एक ट्रेन में विस्फोट होने से 26 सैनिक मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए.

दैनिक पंचांग

15 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	कुंभ	06.24 बजे से
चंद्र	कन्या में	मीन	08.01 बजे से
मंगल	मिथुन में	मेष	09.32 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.12 बजे से
गुरु	वृष में	मिथुन	13.10 बजे से
शुक्र	मीन में	कर्क	15.23 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	17.40 बजे से
राहु	मीन में	कन्या	19.51 बजे से
केतु	कन्या में	तुला	22.02 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.17 ब.से
9.00 से 10.30 बजे तक		धनु	02.33 बजे से
		मकर	04.38 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 46 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि तृतीया 23.53 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 01.40 बजे रात्र को समाप्त।
योग सुकर्मा 07.33 बजे को समाप्त।
करण वणिज 10.50 बजे तदनन्तर विष्टि 23.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 40'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872256
जूलियन दिन 2460721.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना शाबान **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फाल्गुन माह के दौरान कितने, कहां और कौन से दीये जलाने चाहिए?

माघ पूर्णिमा 12 फरवरी को पड़ रही है और इसी के साथ माघ माह का समापन हो जाएगा। वहीं, 13 फरवरी, दिन गुरुवार से फाल्गुन माह का आरंभ होगा। फाल्गुन माह में महाशिवरात्रि और होली जैसे बड़े पर्व आते हैं। इसके अलावा, इस माह में विजय दिलाने वाली विजया एकादशी भी आती है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य ने हमें बताया कि इस माह में रोजाना भगवान शिव, भगवान विष्णु, श्री राधा-कृष्ण की पूजा करनी चाहिए। साथ ही, रोजाना दीये जलाने चाहिए क्योंकि इससे कई लाभ मिलते हैं। आइये जानते हैं कि फाल्गुन माह के दौरान कितने, कहां और कौन से दीये जलाने चाहिए।

फाल्गुन माह में कितने दीये जलाने चाहिए?

फाल्गुन माह में रोजाना 5 दीये जलाने चाहिए। एक दीया भगवान शिव शंभू के नाम का, दूसरा दीया भगवान विष्णु के नाम का, तीसरा दीया राधा रानी और श्री कृष्ण के नाम का, चौथा दीया दिशाओं के नाम का और पांचवा दीया ग्रहों के नाम का। अगर आप 5 दीये रोजाना नहीं जला सकते हैं तो 1 दीपक भी जला सकते हैं लेकिन आटे का। बस इस एक दीये को जलाते समय सभी का ध्यान कर लें।

फाल्गुन माह में कहां दीये जलाने चाहिए?

फाल्गुन माह के दौरान अगर आप 5 दीये जला रहे हैं तो 5 अलग-अलग दिशाओं या स्थानों पर जलाएं। वहीं, अगर आप एक दीया जला रहे हैं तो एक ही दिशा सक्षम है। 5 दीयों के लिए 5 दिशाएं हैं- घर का मुख्य द्वार, घर की पूर्व दिशा, घर की रसोई, घर की छत, घर में रखे तुलसी के पौधे के पास आदि। एक दीया जला रहे हैं तो मात्र पूर्व दिशा में ही दीपक प्रज्वलित करें और शुभता पाएं।

फाल्गुन माह में कौन से दीये जलाने चाहिए?

फाल्गुन माह के दौरान मिट्टी के दीये जलाएं क्योंकि मिट्टी के दीये जलाने से घर में भू तत्व का संचार होता है और प्रकृति की शुभता भी प्राप्त होती है। अगर मिटटी के दीये नहीं हैं तो 5 पीतल के दीये भी जला सकते हैं। यहां तक कि आप उन दीयों का इस्तेमाल दुबारा से भी कर सकते हैं, लेकिन मिट्टी के दीयों में अगले दिन दोबारा से दीये न जलाएं। इससे दोष उत्पन्न होगा और ग्रह शांत होंगे।

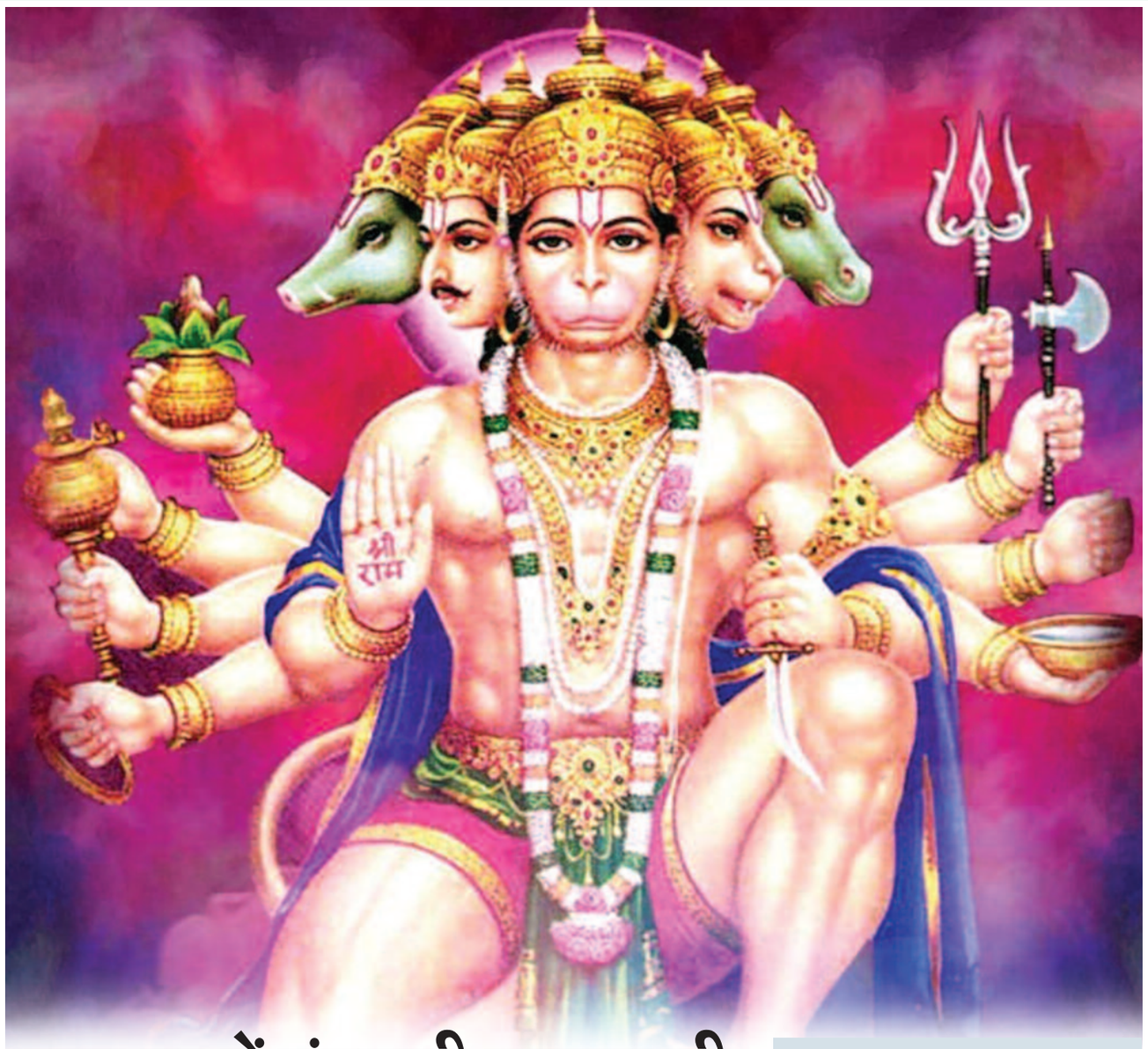

क्या घर में पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर रखना ठीक है? जानें ज्योतिष के नियम

पंचमुखी हनुमान जी को हिंदू धर्म में शक्ति, साहस और नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा का प्रतीक माना जाता हैं। उनकी पांच मुखों वाली मूर्ति विशेष रूप से पूजनीय मानी जाती है। पंचमुखी हनुमान जी से पांच मुख अलग-अलग देवताओं के रूप को प्रदर्शित करते हैं, लेकिन क्या इसे घर में रखना उचित है? यह सवाल कई लोगों के मन में जरूर उठता है क्योंकि इनके पांच स्वरूप उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह, पश्चिम में गरुड़, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख एवं पूर्व दिशा में हनुमान जी हैं। ऐसे में ये सभी देवता अलग-अलग रूपों का प्रतिनिधि करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि यदि आप इस मूर्ति का उचित तरीके से पूजन व सम्मान न कर सकें तो आपको इसके भूलकर भी पाने घर के मंदिर में नहीं रखना चाहिए। ज्योतिष के अनुसार पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को घर में रखने के विशेष नियम बताए गए हैं। ऐसा माना जाता है कि पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अत्यधिक ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है, जो घर के सामान्य वातावरण के लिए अनुकूल नहीं है। हनुमान जी का यह स्वरूप आमतौर पर पूजा स्थलों और मंदिरों के लिए उपयुक्त माना जाता है, क्योंकि इसकी उग्र ऊर्जा को संभालने के लिए विशेष पूजा-अर्चना और नियमों का पालन करना आवश्यक होता है।

पंचमुखी हनुमान जी का महत्व

पंचमुखी हनुमान जी के पांच मुख अलग-अलग दिशाओं और तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मूर्ति में पूर्व दिशा की तरफ हनुमान ही का मूल स्वरुप दिखाई देता है। जो भक्तों को आत्म-शक्ति और साहस प्रदान करता है। मूर्ति का दक्षिण मुख जो नरसिंह स्वरुप है यह मुख भय और शत्रु विनाश का प्रतीक होता है। पश्चिम मुख जो गरुड़ देव को दिखाता है सभी प्रकार के नाग दोष और विष से हमारी रक्षा करता है। उत्तर दिशा की तरफ का मुख वराह रूप होता है जो धन और समृद्धि का प्रतीक होता है। ऊपर का मुख हयग्रीव रूप होता है जो ज्ञान और विजय का प्रतीक होता है। इन सभी स्वरूपों को एक मूर्ति में ढालकर पंचमुखी हनुमान जी बनते हैं जो अत्यंत शक्तिशाली माने जाते हैं।

घर में पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर क्यों नहीं रखनी चाहिए?

पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अत्यधिक उग्र और शक्तिशाली है। उनकी ऊर्जा इतनी प्रबल होती है कि इसे नियंत्रित करना आसान नहीं होता है। इस मूर्ति को घर में गलत स्थान पर रखने से कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने से उस स्थान की ऊर्जा बहुत ज्यादा सक्रिय हो सकती है जो ऊर्जा के असंतुलन का कारण बन सकती है। यह ऊर्जा कभी-कभी घर के सदस्यों के लिए असुविधाजनक और तनावपूर्ण हो सकती है। इस ऊर्जा के सकारात्मक की जगह कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं, जिससे लोगों के बीच आपसी झगड़े बढ़ सकते हैं और अशांति का वातावरण पैदा हो सकता है।

पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर उग्रता का प्रतीक

पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप उग्रता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में रखने से वहां का माहौल उग्र और अशांत हो सकता है, खासकर यदि उनकी पूजा विधिवत न की जाए। दरअसल इस मूर्ति की पूजा करना आसान नहीं होता है, बल्कि इसके कुछ विशेष नियम होते हैं और उनका पालन सब लोग नहीं कर पाते हैं। यदि उनकी पूजा में कोई त्रुटि होती है तो उसके जीवन में नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए विशेष स्थान होना जरूरी

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को घर में रखने से पहले उचित स्थान और दिशा का चयन करना अनिवार्य है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार, गलत दिशा या स्थान पर इस पवित्र स्वरूप की स्थापना करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा की बजाय वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। अक्सर देखा गया है कि लोग इसे बिना सोचे-समझे घर के मुख्य द्वार पर लगा देते हैं। हालांकि, यह स्थान पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता, क्योंकि ऐसा करने से उनकी ऊर्जा का सही उपयोग नहीं हो पाता और अनजाने में मूर्ति का अपमान भी हो सकता है। इस स्वरूप को घर में रखने का उद्देश्य बुरी शक्तियों से बचाव और सकारात्मकता को बढ़ावा देना है, लेकिन यदि इसे नियमों के अनुसार न रखा जाए तो इसके विपरीत परिणाम हो सकते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति कहां रखनी चाहिए

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा मुख्य रूप से मंदिरों में की जाती है, जहां उनकी ऊर्जा का प्रबंधन सही तरीके से हो सकता है। अतः यह मूर्ति मंदिरों में रखना सबसे अच्छा विकल्प होता है, जिससे उनकी पूजा नियम से की जा सके। व्यावसायिक स्थलों पर पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति रखने से आपको व्यापार में मुनाफा हो सकता है और यह मूर्ति नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा करती है।

फाल्गुन माह में करें गीता के इस एक श्लोक का जाप, मिल सकते हैं ये लाभ

फाल्गुन माह आरंभ हो चुका है और इस माह में भगवान शिव, भगवान विष्णु और राधा-कृष्ण की पूजा का विशेष विधान है। मान्यता है कि फाल्गुन माह में कोई भी किया गया धार्मिक कार्य 100 गुना होकर वापस मिलता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि फाल्गुन माह में भगवद गीता के एक श्लोक का निरंतर रोजाना जाप करने से कई लाभ प्राप्त होते हैं। फाल्गुन माह में करें भगवद गीता के इस श्लोक का जाप भगवद गीता में एक श्लोक वर्णित है- अनन्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाह परयुपासते। इस श्लोक का अर्थ है- जो लोग मुझे केवल अपने हृदय में सोचते हैं और मेरी पूजा करते हैं, मैं उन्हें सभी परेशानियों से मुक्त करता हूं।

इस श्लोक में भक्ति योग का अद्भुत संदेश है। इसमें भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि जो भक्त बिना किसी भेदभाव के केवल उनका ध्यान करते हैं, भगवान उन्हें अपनी कृपा से हर मुश्किल से उबार ही लाते हैं।

फाल्गुन माह में रोजाना इस श्लोक का जाप करने से भगवान श्री कृष्ण की विशेष कृपा होती है। इस श्लोक के जाप से व्यक्ति में भक्ति का संचार होता है और वह आध्यात्म की ओर बढ़ता है। इस श्लोक के फाल्गु माह में रोजाना जाप से आत्मा की शुद्धि होती है और आत्मिक उन्नति की दिशा में व्यक्ति का मार्गदर्शन होता है। आपका मन शांत होता है और भगवान से आपका जुड़ाव बढ़ता है।

इस श्लोक का जाप सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह करता है। फाल्गुन माह में यह ऊर्जा विशेष रूप से शक्तिशाली होती है, और यह आपके जीवन में अच्छे परिवर्तन और मानसिक शांति लाती है।

जब आप इस श्लोक का जाप करते हैं, तो आपका मन केवल भगवान श्री कृष्ण के ध्यान में रम जाता है। इससे नकारात्मक विचार आपको प्रभावित नहीं कर पाते हैं और विचारों में स्थिरता बनी रहती है।

फाल्गुन माह में इस श्लोक का जाप करने से व्यक्ति के संसारिक कष्टों में कमी आती है। यह श्लोक उन समस्याओं से मुक्ति दिलाता है, जो जीवन में विघ्न उत्पन्न करती हैं, चाहे वे आर्थिक हों, पारिवारिक हों या मानसिक। इस श्लोक के माध्यम से भक्ति और समर्पण की भावना मजबूत होती है। भगवान श्री कृष्ण के प्रति निस्वार्थ प्रेम और विश्वास बढ़ता है, जिससे जीवन में शुभ फल प्राप्त होते हैं। इस श्लोक के जाप से संतान सुख प्राप्त होता है।

भगवान राम की तरह श्री कृष्ण के आगे क्यों नहीं लगता मर्यादा पुरुषोत्तम?

भगवान विष्णु के एक अवतार थे श्री राम जो त्रेता युग में जन्में थे वहीं, दूसरे अवतार थे भगवान श्री कृष्ण जो द्वापरयुग में अवतरित हुए थे। दोनों ही भगवान विष्णु के अवतार और दोनों में ही समान दिव्यता एवं समान शक्ति फिर आखिर क्यों श्री राम के आगे मर्यादा पुरुषोत्तम लगाया जाता है, लेकिन श्री कृष्ण को मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं कहा जाता है।

श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, लेकिन श्री कृष्ण को छलिया या रणछोड़ के नाम से जाना जाता है। इसके पीछे दो कारण हैं- पहला कारण तो धार्मिक दृष्टि से है वहीं, दूसरा कारण सामाजिक शिक्षा के रूप में है जिसे स्वयं श्री कृष्ण ने दिया था। धर्म ग्रंथों में बताया गया है कि श्री राम ने अपने काल में हर परिस्थिति में मर्यादा का अनुसरण किया था। ताड़का वध से लेकर रावण वध तक वनवास के दौरान कठिन परिस्थियों में रहते हुए और यहां तक कि राम राज्य के समय में भी मर्यादा नहीं छोड़ी।

श्री राम ने मर्यादा के चलते ही माता कैकेयी के कहने पर 14 वर्ष का वनवास स्वीकार किया। मर्यादा को निभाने के उद्देश्य से ही युद्ध में विजय होने से पहले ही श्री राम ने विभीषण को लंका का राजा बना दिया था। मर्यादा पालन करते हुए एक पत्नी धर्म पर चले।

वहीं, इसके विपरीत दानवों और राक्षसों का अंत करने के लिए श्री कृष्ण ने कई बार मर्यादा का उलंघन किया। श्री कृष्ण ने कालयवन राक्षस को छल से गुफा में ले जाकर ऋषि के माध्यम से मृत्यु के घाट उतारा, जरासंध को भीम के हाथों छल से मरवाया।

श्री कृष्ण ने कूटनीति के चलते महाभारत युद्ध में भी कई बार छल का प्रयोग करते हुए कौरवों का विनाश सुनिश्चित किया। श्री कृष्ण ने समाज की कुरीतियों का खंडन करते हुए बिना विवाह के राक्षस के चंगुल से छूटी सभी कन्याओं को आदर सहित अपने महल में स्थान दिया।

ऐसे में इन सब घटनाओं और श्री कृष्ण एवं श्री राम की लीलाओं में अंतर को देखते हुए श्री कृष्ण को मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं कहा जाता है। वहीं, इसके पीछे की सामाजिक शिक्षा यह है की समय काल के अनुसार व्यक्ति को अपनी नीतियों में परिवर्तन करना आवश्यक है।

एलआईसी के निवेश वाला पेनी स्टॉक काट रहा गदर, फिर लगा अपर सर्किट, कीमत 20 रुपये से कम

नईदिल्ली, एजेंसी। एलआईसी के निवेश वाली कंपनी वक्रग्रीन के शेयरों में शुक्रवार यानी आज अपर सर्किट लगा है। इस उछाल के बाद कंपनी के शेयरों का भाव 16.71 रुपये के लेवल तक पहुंच गया। वक्रग्रीन के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का फैसला है। कंपनी को ह्वाइट लेबल एटीएम लगाने, संचालन करने की अनुमति मिल गई है।

31 जनवरी 2025 तक के डाटा के अनुसार कंपनी के पास कुल 6035 ह्वाइट लेबल एटीएम थे। इनमें से 76 प्रतिशत टायर-4 से टायर-06 तक थे। इसके अलावा वक्रग्रीन के पास अपने 22,395 आउटलेट्स हैं। जिसमें से 81 प्रतिशत टायर 4 से टायर 6 के बीच है।

2030 तक कंपनी ने रखा बड़ा टारगेट- कंपनी ने 'विजन 2030' नाम से कैंपेन की शुरुआत की है। इसमें कंपनी का लॉन्ग टर्म गोल सामने आता है। कंपनी की कोशिश है कि 3 लाख आउटलेट्स खोला जा सके। वहीं, एटीएम की संख्या 15,000 तक बढ़ाना है। इन सबके अलावा कंपनी 1 बिलियन डॉलर का रेवन्यू जनरेट करना चाहती है। साथ ही ग्रॉस ट्रांजैक्शन वैल्यू 150 बिलियन डॉलर का भी टारगेट रखा गया है।

सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी की कुल हिस्सेदारी दिसंबर तिमाही तक 4.41 प्रतिशत थी। वहीं, रिटेल निवेशकों के पास 51 प्रतिशत हिस्सा और प्रमोटर ग्रुप के पास 41.70 प्रतिशत हिस्सा था।

कंपनी शेयर बाजार में कर रही है संघर्ष- भले ही बीते दो दिनों के दौरान कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। लेकिन पिछले एक साल में यह स्टॉक 38 प्रतिशत की गिरावट देख चुका है। वहीं, फरवरी में 31 प्रतिशत और जनवरी 2025 में 30 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

11 रुपये का शेयर पहुंचा 1200 रुपये के पार, 1 लाख पर मिला 1 करोड़ रुपये का रिटर्न

नईदिल्ली, एजेंसी। अच्छे स्टॉक लॉन्ग टर्म में निवेशकों को शानदार रिटर्न देते हैं। नाइब उन्हीं स्टॉक में से एक निकला है। कंपनी ने शेयर बाजार में बीते 5 साल के दौरान 10934 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस पेनी स्टॉक ने निवेशकों को करोड़पति बना दिया है।

1 लाख रुपये का निवेश हुआ 1.10 करोड़ रुपये- 5 साल पहले फरवरी 2020 में नाइब के शेयरों का भाव 11.60 रुपये था। जोकि अब बढ़कर 1280 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। जिसकी वजह से पोजीशनल निवेशकों को 10000 प्रतिशत से अधिक का फायदा मिला है। 5 साल पहले जिस किसी निवेशक ने 1 लाख रुपये का दांव लगाया होगा उनका रिटर्न बढ़कर 1.10 करोड़ रुपये हो गया है।

शॉर्ट टर्म में संघर्ष कर रहा है शेयर- भले ही लॉन्ग टर्म में यह स्टॉक निवेशकों को शानदार रिटर्न देने में सफल रहा हो। लेकिन शॉर्ट टर्म में यह संघर्ष करता हुआ नजर आ रहा है। बीते एक साल में यह मल्टीबैगर स्टॉक महज 9 प्रतिशत का ही रिटर्न देने में सफल हुआ है। वहीं, 2025 तो कंपनी के शेयरों के लिए बहुत ही बुरा साबित हुआ है।

आरबीआई की पाबंदी के बाद न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के बाहर ग्राहकों की कतार

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के बाहर शुक्रवार को लोगों की कतारें देखी गई। आरबीआई की ओर से निकासी पर रोक लगने के बाद चिंतित ग्राहक जल्द से जल्द अपना पैसा निकालना चाह रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को पर्यवेक्षी चिंताओं के बीच जमाकर्ताओं की ओर से धन निकासी सहित कई प्रतिबंध लगा दिए थे।

मुंबई में विजयनगर शाखा के बाहर असमंजस में दिखे ग्राहक- रिजर्व बैंक की कार्रवाई के बाद मुंबई के अंधेरी में विजयनगर शाखा के बाहर शुक्रवार को खाताधारकों की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्राहक इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि उन्हें अपना पैसा कब मिलेगा। कुछ लोगों ने तो यहां तक कहा कि बैंक उनके सवालों का जवाब नहीं दे रहा है और यहां तक कि इसकी ग्राहक सहायता सेवाएं और एप भी काम नहीं कर रहे हैं। बैंक के बाहर जमा हुए लोगों में से ज्यादातर वरिष्ठ नागरिक हैं। बैंक अधिकारियों ने कतार में खड़े लोगों को कूपन दिए हैं। उनके अनुसार, ग्राहक इन कूपन का इस्तेमाल अपने लॉकर तक पहुंचने के लिए कर सकते हैं।

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक, मुंबई को दिए गए भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश गुरुवार को कारोबार की समाप्ति से लागू हो गए। ये निर्देश छह महीने की अवधि तक लागू रहेंगे और समीक्षा के अधीन होंगे।

बचत, चालू या किसी भी खाते से किसी भी राशि की निकासी पर रोक

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आज न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक को ऋण देने या नवीनीकृत करने, नई जमाराशियां स्वीकार करने, निवेश करने, अपनी देनदारियों के लिए कोई भुगतान करने या अपनी किसी भी संपत्ति को बेचने से रोक दिया है। नियामक ने एक बयान में कहा कि बैंक में हाल के भौतिक घटनाक्रमों से उत्पन्न पर्यवेक्षी चिंताओं और बैंक के जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा के कारण यह रोक लगाई गई है। बैंक की महाराष्ट्र समेत देशभर में 26 ब्रांच हैं, और बड़ी संख्या में ग्राहक हैं।

आरबीआई के बयान में कहा गया है, बैंक की वर्तमान तरलता स्थिति को ध्यान में रखते हुए, बैंक को निर्देश दिया गया है कि वह जमाकर्ता के बचत बैंक या चालू खाते या किसी अन्य खाते से किसी भी राशि की निकासी की अनुमति न दे, लेकिन जमाराशि के विरुद्ध ऋण सेट ऑफ करने की अनुमति दी गई है। पात्र जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से 5 लाख रुपये की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने के हकदार होंगे।

हालांकि आरबीआई के निर्देशों में यह साफ किया गया है कि इस कार्रवाई को बैंकिंग लाइसेंस रद्द करने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। बैंक अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार होने तक उक्त निर्देशों में निर्दिष्ट प्रतिबंधों के अधीन बैंकिंग व्यवसाय करना जारी रखेगा। आरबीआई बैंक की स्थिति की निगरानी करना जारी रखेगा और जमाकर्ताओं के सर्वोत्तम हित में आवश्यक कार्रवाई करेगा। ये निर्देश 13 फरवरी, 2025 को कारोबार बंद होने से छह महीने की अवधि के लिए लागू रहेंगे और समीक्षा के अधीन हैं।

भारत-अमेरिका का मिशन 500 जिसे दोनों देशों के व्यापार समझौतों के लिए माना जा रहा अहम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका ने इस साल के अंत तक पहले चरण के व्यापार समझौते को पूरा करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने 2030 तक आपसी व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी तय किया है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया कि भारत को भी अन्य देशों की तरह पारस्परिक टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच इस समझौते पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान, व्यापार से जुड़े मुद्दों और टैरिफ को लेकर विचार-विमर्श हुआ। बता दें कि, बैठक के कुछ ही घंटे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के सभी व्यापारिक साझेदारों के लिए एक नई पारस्परिक टैरिफ नीति की घोषणा की थी।

अमेरिका से तेल और गैस खरीदेगा भारत- संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि भारत अब अमेरिका से और अधिक तेल और गैस खरीदेगा, जिससे अमेरिका का व्यापार घाटा कम होगा। बता दें कि, वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच कुल व्यापार 130 अरब डॉलर का है, जिसमें अमेरिका का व्यापार घाटा 45 अरब डॉलर है। दोनों नेताओं ने पारस्परिक व्यापार बाधाओं को दूर करने की प्रतिबद्धता जताई और अपनी टीमों को एक निष्पक्ष व लाभकारी व्यापार समझौते पर काम करने का निर्देश दिया।

2030 तक 500 अरब डॉलर का व्यापार- संयुक्त बयान के अनुसार, पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका-भारत व्यापार को और मजबूत करने का संकल्प लिया। इसके तहत, मिशन 500 नाम से एक पहल की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य 2030 तक कुल व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। इसके लिए दोनों देशों ने 2025 के अंत तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की योजना बनाई है। इस समझौते के तहत, बाजार में पहुंच आसान बनाने, टैरिफ कम करने और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने जैसे तमाम मुद्दों पर काम किया जाएगा।

अमेरिका ने भारतीय आम और अनार के निर्यात को बढ़ावा दिया- संयुक्त बयान में कहा गया कि अमेरिका ने कुछ भारतीय उत्पादों जैसे आम और अनार के निर्यात में बढ़ोतरी के लिए सहयोग दिया है। वहीं, भारत ने अमेरिका के कुछ उत्पादों जैसे मोटरसाइकिल, आईसीटी (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) उत्पादों, धातुओं और कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करने की पहल की है।

भारतीय कंपनियों के अमेरिकी निवेश को बढ़ावा- दोनों देशों ने परस्पर निवेश बढ़ाने पर भी सहमति जताई। इस दिशा में, भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में 7.35 अरब डॉलर का निवेश किया है। इनमें हिंडाल्को की सहयोगी कंपनी नोवेलिस, जेएसडब्ल्यू स्टील और एप्सिलॉन एडवांस्ड मटेरियल्स जैसी कंपनियों ने अमेरिका में अपने निवेश को बढ़ाया है, जिससे हजारों स्थानीय नौकरियों का सृजन हुआ है।

एनर्जी कंपनी को मिला 1,234 करोड़ रुपये का ठेका फिर भी शेयर के गिरे भाव

सोलर पीवी मॉड्यूल की सप्लाई के लिए 1,234 करोड़ रुपये का ऑर्डर जीतने के बावजूद प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के शेयरों में आज गिरावट है। सुबह 11 बजे के करीब यह स्टॉक 1.73 पर्सेंट नीचे 982.90 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। हालांकि, आज यह 1014.90 रुपये पर खुला और दिन के निचले स्तर 974.10 रुपये तक गिर गया। शेयर अभी भी अपने लिस्टिंग के बाद के उच्च स्तर 1,388 रुपये से नीचे है। प्रीमियर एनर्जीज ने कहा कि उसे मौजूदा ग्राहकों से दो ऑर्डर मिले हैं। इन मॉड्यूल की सप्लाई अप्रैल 2025 से शुरू होने वाली है।

1,228 रुपये तक जा सकता है शेयर का भाव

ब्रोकरेज फर्म आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 13 फरवरी को प्रीमियर एनर्जीज पर खरीद रेटिंग के साथ कवरेज शुरू की। इसने शेयर का टार्गेट प्राइस 1,228 रुपये रखा है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने अपने नोट में लिखा कि प्रीमियर एनर्जीज ने पिछले तीन वर्षों में खुद को भारत में सोलर सेल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में तीसरे सबसे बड़े खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है। सरकार ने हाल ही में इस सेक्टर को कई उपायों के साथ सपोर्ट किया है। यह चीनी प्रतिस्पर्धा को रोकने में सक्षम रही है।

कमाई 90 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की संभावना- अगले दो वर्षों में प्रीमियर एनर्जीज के अपने मौजूदा सेल और मॉड्यूल क्षमता को 2जीडब्ल्यूऔर 3जीडब्ल्यू से बढ़ाकर क्रमशः 7जीडब्ल्यू और 8जीडब्ल्यू करने की उम्मीद है। इससे एफवाय24-27इ के दौरान कमाई 90 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की संभावना है।

प्रीमियर एनर्जीज इंटीग्रेटेड सोलर सेल और सोलर पैनल का निर्माण करती है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में सेल, सोलर मॉड्यूल, मोनोफेशियल मॉड्यूल, बाइफेशियल मॉड्यूल, ईपीसी सॉल्यूशंस और ओएंडएम सॉल्यूशंस शामिल हैं। प्रीमियर एनर्जीज वित्तीय वर्ष 2027 के कमाई अनुमान के 30 गुना पर कारोबार कर रही है।

आरवीएनएल का शेयर 3 प्रतिशत लुढ़का

नईदिल्ली, एजेंसी। रेल विकास निगम के शेयरों की कीमतों में आज 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट तिमाही नतीजों के जारी होने से पहले दर्ज की गई है। कंपनी आज यानी शुक्रवार को तिमाही नतीजों का ऐलान करेगी। पहले कंपनी की तरफ से 12 फरवरी को तिमाही नतीजों का ऐलान होना था। लेकिन इसे आज यानी 14 फरवरी तक के लिए टाल दिया गया था। रेल विकास निगम के तीसरी तिमाही के रिजल्ट पर निवेशकों की निगाह है। आइए समझते हैं कि क्या अब रेल विकास निगम के शेयरों पर दांव लगाना सही रहेगा या नहीं?

स्ट्रीट को क्या है उम्मीद?- उम्मीद है कि दिसंबर तिमाही में रेल विकास निगम को 322 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दिसंबर तिमाही में हो सकता है। अगर नतीजे इस हिसाब से रहते हैं तो सालाना आधार पर रेल विकास निगम का नेट प्रॉफिट 10.2 प्रतिशत गिर जाएगा। हालांकि, अच्छी बात यह होगी कि सितंबर तिमाही की तुलना में इसमें 12.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

इस साल अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 14 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में यह पीएसयू स्टॉक 33 प्रतिशत गिरा है। इस गिरावट के बाद पोजीशनल निवेशकों को एक साल में 48 प्रतिशत का फायदा हुआ है। वहीं, 2 साल पहले रेल विकास निगम के शेयरों को खरीदने वाले निवेशकों को अबतक 400 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न मिल सकता है। लक्ष्मीश्री इंवेस्टमेंट एंड सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख अंशुल जैन कहते हैं कि कंपनी का जुलाई के अपने उच्चतम स्तर 644 रुपये से 47 प्रतिशत टूट चुका है।

सेबी को मिलेगा कॉल रिकॉर्ड- ग्रुप चैट पाने का अधिकार; सोशल मीडिया से अवैध वित्तीय सलाह हटाने की भी योजना

नईदिल्ली, एजेंसी। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने सरकार से अपने अधिकार को बढ़ाने की मांग की है। यह मांग मान ली जाती है तो सोशल मीडिया जैसे वॉट्सएप व टेलीग्राम आदि से सभी अवैध वित्तीय सलाह को हटाया जा सकता है। साथ ही, बाजार से जुड़े उल्लंघनों की जांच के लिए संबंधित आरोपियों के कॉल रिकॉर्ड तक पहुंचने की भी मांग की गई है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 2022 में भी इसी तरह की मांग सरकार से की थी। एक बार फिर से उसने 3 फरवरी को पत्र भेजा है। यह अपील तब की गई है, जब नियामक ने बाजार उल्लंघनों की जांच तेज कर दी है और सोशल मीडिया पर प्रसारित अनियमित वित्तीय सलाह पर रोक लगा दी है। नियामक के साथ पहले की बैठक के बावजूद सोशल मीडिया कंपनियों ने अपने कॉल डेटा रिकॉर्ड, समूहों और चैनलों तक पहुंच के लिए सरकार के अनुरोध का अनुपालन नहीं किया है। सेबी ने पिछले सप्ताह सरकार को भेजे पत्र में कहा, मेटा प्लेटफॉर्म की वॉट्सएप जैसी कंपनियों ने नियामक को अपने सोशल मीडिया समूह चैट तक पहुंच से वंचित कर दिया है, क्योंकि वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी कानून उसे अधिकृत एजेंसी के रूप में पहचान नहीं देता है। नियामक का कहना है कि कोई भी ऐसी सामग्री जो प्रतिभूति नियमों का उल्लंघन करती है और वह सामग्री सोशल मीडिया चैनलों पर मौजूद है तो उसे हटाने का अधिकार उसे किसी भी हाल में मिलना चाहिए।

सेबी ने कहा, डिजिटल या सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से प्रसारित कॉल या संदेश के डाटा रिकॉर्ड तक पहुंचने की उसके पास शक्ति होनी जरूरी है। कर विभाग, राजस्व खुफिया विभाग और प्रवर्तन निदेशालय जैसी अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के पास तो ये अधिकार हैं, पर नियामकों के पास नहीं हैं। धोखाधड़ी वाले कॉल डाटा रिकॉर्ड तक पहुंचने की शक्ति के अभाव के कारण सेबी गंभीर बाजार उल्लंघनों की जांच करते समय खुद को सीमित पाता है।

कई तरह की हो रही जांच

मामले की जानकारी रखने वाले एक सरकारी अधिकारी ने कहा, बाजार में हेरफेर जैसे फ्रंट रनिंग और इनसाइडर ट्रेडिंग से संबंधित कई जांच चल रही है। इसके लिए नियामक को इन सोशल मीडिया समूहों के रिकॉर्ड तक पहुंचने की जरूरत होती है। वॉट्सएप समूह और टेलीग्राम चैनल बाजार सहभागियों के बीच लोकप्रिय हो गए हैं। प्रभावशाली लोग पैसे के बदले में शेयर विशेष और अन्य प्रतिभूतियों पर ट्रेडिंग टिप्स साझा करते हैं।

फिनफ्लूएंसर की बाढ़

पिछले काफी समय में सेबी फिनफ्लूएंसर और अवैध तरीके से निवेश सलाह देने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। हाल ही में सोशल मीडिया पर बेहद ऊंचे रिटर्न की गारंटी देने वाले फिनफ्लूएंसर पर बड़ा एक्शन लिया गया है। यूरोप और अमेरिका जैसे विकसित देश अपने प्रतिभूति नियामकों को सोशल मीडिया पोस्ट हटाने का सीधा अधिकार नहीं देते हैं। हालांकि, उनके पास धोखाधड़ी और भ्रामक विज्ञापन जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों को दंडित करने का अधिकार है।

सोने की कीमतें बढ़ने से आभूषणों की 80 फीसदी तक घटी मांग, शादी के मौसम के बावजूद धीमी हुई खरीदी

मुंबई। सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद इसके आभूषणों की मांग 80 फीसदी तक गिर गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, पूरे देश में आभूषण विक्रेताओं की बिक्री में कमी देखी जा रही है। दाम में तेजी से शादी के मौसम के बावजूद ग्राहकों ने खरीदी धीमी कर दी है। दूसरी ओर, चीन में डीलरों ने खरीदारों को लुभाने के लिए छूट की पेशकश की है। संभावित नए अमेरिकी टैरिफ के कारण वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका से निवेशक सुरक्षित माने जाने वाले सोने की खरीदी पर जोर दे रहे हैं।

इससे बेंचमार्क सोने की कीमतें इस सप्ताह रिकॉर्ड 2,942.70 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गईं। कोयंबटूर के जौहरी बी मुथुवेंकटूम ने कहा, बहुत सारे ग्राहक शादी के मौसम के लिए सोना खरीदना चाहते हैं, लेकिन वे रुक रहे हैं, क्योंकि कीमतें बढ़ती जा रही हैं। वे हमें फोन करते रहते हैं और पूछते रहते हैं कि कीमतें कब गिरेंगी और खरीदने का सही समय कब है।

चीन की तुलना में भारत में ज्यादा खपत- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में भारत की आभूषण खपत 563.4 मीट्रिक टन थी, जो चीन के 511.4 टन से अधिक थी। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सोने के उपभोक्ता भारत में सोने की कीमतें इसी सप्ताह 88,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। 2024 में 21 फीसदी तेजी के बाद इस साल के महज 45 दिन में ही सोने का भाव 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। चीन के एक व्यापारी ने कहा, चीनी नव वर्ष से पहले हमने मांग में वृद्धि देखी, लेकिन कीमत अधिक होने के कारण अब मांग बहुत कमजोर है।

व्यापार घाटा पर सकारात्मक असर

देश का व्यापार घाटा जनवरी में 20.88 अरब डॉलर रह सकता है। दिसंबर, 2024 में यह 21.94 अरब डॉलर था। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह सुधार मुख्य रूप से सोने की बढ़ती कीमतों के कारण उसके आयात में कमी से होगा। वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता से सोने की कीमतों में उछाल के बीच मांग में मामूली कमी आई है। कीमतें बढ़ने से पीली धातु की खरीदी कम हो गई है। त्योहार और शादी का मौसम खत्म होने के साथ मांग भी गिर गई है, जिससे व्यापार घाटे में और कमी आई है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण तेल व्यापार घाटा थोड़ा बढ़ गया है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें दिसंबर में 73.13 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर जनवरी में 78.35 डॉलर प्रति बैरल हो गईं। इससे व्यापार घाटे पर असर दिखेगा।

टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को यूके नाइटहुड से सम्मानित किया गया, ब्रिटिश सरकार ने दी जानकारी

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन को ब्रिटेन और भारत के व्यापारिक संबंधों में उनके योगदान और सेवाओं के लिए ब्रिटिश साम्राज्य के सबसे उत्कृष्ट ऑर्डर (सिविल डिवीजन) से सम्मानित किया गया है। इसे नाइटहुड सम्मान के नाम से भी जाना जाता है। ब्रिटिश सरकार ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

चंद्रशेखरन ने इस सम्मान पर कहा, मैं इस प्रतिष्ठित मान्यता से बहुत अभिभूत हूं, जिसके लिए मैं महामहिम, किंग चार्ल्स का आभारी हूं। मैं यह व्यक्त करना चाहूंगा कि टाटा समूह में हम प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता, आतिथ्य, इस्पात, रसायन और ऑटोमोटिव क्षेत्रों में यूके के साथ इतने मजबूत रणनीतिक संबंध बनाए रखने पर कितना गर्व महसूस करते हैं।

उन्होंने कहा, हमें जगुआर लैंड रोवर और टेटली जैसे अपने प्रतिष्ठित ब्रिटिश ब्रांडों पर

अविश्वसनीय रूप से गर्व है। हम यूके में 70,000 से अधिक लोगों को रोजगार देते हैं। हम इस देश के महान संस्थानों के साथ उपयोगी और विश्व स्तरीय अनुसंधान और शैक्षणिक साझेदारी का आनंद लेते हैं, जिसमें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, वारविक विश्वविद्यालय और स्वानसी विश्वविद्यालय शामिल हैं। टाटा समूह के चेयरमैन ने कहा, मैं टाटा समूह की ओर से ब्रिटिश सरकार को समूह के समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद देना चाहता हूं। यह एक मजबूत और स्थायी संबंध है और मैं ब्रिटेन में हमारी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए तत्पर हूं। मुझे यह बड़ा सम्मान देने के लिए एक बार फिर धन्यवाद। चंद्रशेखरन टाटा संस के बोर्ड के अध्यक्ष हैं। यह कंपनी 100 से अधिक टाटा ऑपरेटिंग कंपनियों की होल्डिंग कंपनी और प्रमोटर है। इसका कुल वार्षिक राजस्व 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है। चंद्रशेखरन अक्तूबर 2016 में टाटा संस के बोर्ड में शामिल हुए और जनवरी 2017 में उन्हें अध्यक्ष नियुक्त किया गया। चंद्रशेखरन अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जापान सहित भारत के द्विपक्षीय व्यापार मंचों के सक्रिय सदस्य हैं।

केविन पीटरसन ने की भविष्यवाणी

कौन होंगे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनलिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 कौन जीतेगा इसके लिए अभी से क्रिकेट दिग्गजों की टिप्पणियां आनी शुरू हो गई। अभी बीते दिन ही पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने खुद को खिताब का दावेदार बताया था। इसी बीच गौतम गंभीर ने भी ट्रॉफी जीतने के लिए एड़ी चोटी लगाने की बात कही थी। इसी बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने सेमीफाइनल में पहुंचने वाली शीर्ष 4 टीमों को लेकर भविष्यवाणी की है। पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में 19 फरवरी से यह टूर्नामेंट शुरू होना है जिसका लंबा समय से इंतजार किया जा रहा है। बहरहाल, पीटरसन ने आत्मविश्वास से भारत और पाकिस्तान को टूर्नामेंट के दो सबसे मजबूत दावेदारों में से एक बताया। एकदिवसीय क्रिकेट में उनके समृद्ध इतिहास और उनके मजबूत लाइन-अप को देखते हुए, दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वियों से खिताब की दौड़ में प्रमुख खिलाड़ी होने की उम्मीद है। पीटनसन ने मिशेल स्टार्क के हटने के बाद ऑस्ट्रेलिया को संभावित सेमीफाइनलिस्ट के रूप में खारिज कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने अंतिम चार में जगह बनाने के लिए दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का समर्थन किया। पीटरसन ने कहा कि मेरा मतलब है, यह बहुत कठिन है। वह वाकई में। लेकिन मिचेल स्टार्क के हटने के बाद, मैं भारत, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड कहूंगा। स्टार्क की अनुपस्थिति ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है, जो अब टूर्नामेंट में अपनी प्रसिद्ध तेज तिकड़ी के बिना खेलेगी। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड चोट की चिंताओं के कारण पहले ही बाहर हो गए थे, जिससे विश्व चैंपियंस की चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की संभावना और कमजोर हो गई थी।

मेजबान पाकिस्तान 19 फरवरी को कराची के नव पुनर्निर्मित नेशनल बैंक स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगा। बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला 23 फरवरी को दुबई में होने वाला है, एक ऐसा मैच जिसके प्रतियोगिता के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक होने की उम्मीद है।

शाहीन अफरीदी को ICC ने दी बड़ी सजा

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले 3 खिलाड़ी लपेटे में आए

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी पर आईसीसी ने बड़ा जुर्माना लगाया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ कराची में खेले गए वनडे मैच में पाकिस्तान के 3 खिलाड़ियों ने साउथ अफ्रीकी खिलाड़ियों से बदतमीजी की, जिसके बाद ये एक्शन लिया गया है. शाहीन अफरीदी के अलावा सऊद शकील और कामरान गुलाम पर भी आईसीसी ने जुर्माना लगाया है. शाहीन अफरीदी ने साउथ अफ्रीका के युवा बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीत्ज़के के साथ लड़ाई की. वहीं कामरान गुलाम और सऊद शकील ने साउथ अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा के आउट होने के बाद आक्रामक जश्न मनाया था.

अफरीदी और मैथ्यू ब्रीत्ज़के की लड़ाई साउथ अफ्रीकी पारी के 28वें ओवर में हुई थी. शाहीन की पांचवीं गेंद पर मैथ्यू ब्रीत्ज़के ने मिड-ऑन एरिया में शॉट खेला, जिसके बाद अफरीदी ने उन्हें कुछ कहा. शाहीन इस बात से नाराज थे कि मैथ्यू ने पिच की ओर एक-दो बार दौड़ लगाई थी. इस पर अफरीदी ने नाराजगी जताते हुए उन्हें कुछ कहा और आंखें दिखाई, जिसका मैथ्यू ने जवाब दिया. अगली गेंद पर जब मैथ्यू ने रन लिया और दौड़ रहे थे, तो अफरीदी उनके रास्ते में आ गए. यह मामला इतना बढ़ गया कि अंपायरों को बीच-बचाव करना पड़ा. हालात को शांत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा और मोहम्मद रिजवान को बातचीत करनी पड़ी. कामरान गुलाम और सऊद शकील ने भी साउथ अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा के रन आउट होने के बाद आक्रामक जश्न मनाया. कामरान गुलाम तो उनके मुंह पर जाकर चिल्ला रहे थे, जिसके बाद उनपर भी कार्रवाई हुई है, जबकि वो ये मैच खेल ही नहीं रहे थे ।

353 रनों का लक्ष्य किया चेज़

वैसे पाकिस्तान ने बुधवार को कमाल का खेल दिखाते हुए साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हरा दिया. पाकिस्तान को 353 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे इस टीम ने 6 गेंद पहले हासिल कर लिया. पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा ने शतक लगाकर पाकिस्तान को ऐतिहासिक जीत दिलाई ।

पूर्व भारतीय बैडमिंटन टीम के कोच गौरव मल्हन जालंधर के खिलाड़ियों को देंगे प्रशिक्षण

जालंधर, एजेंसी। पूर्व भारतीय बैडमिंटन टीम के कोच गौरव मल्हन शनिवार को जालंधर बैडमिंटन एसोसिएशन से जुड़े गए और अब रायजादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे। मल्हन, जिन्होंने 2020 में थॉमस कप के दौरान भारतीय टीम को कोचिंग दी थी, इससे पहले हैदराबाद स्थित पुलेला गोपीचंद अकादमी में वरिष्ठ कोच के रूप में कार्यरत थे और इजिप्ट की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच भी रह चुके हैं। एनआईएस और बीडब्ल्यूएफ प्रमाणित कोच मल्हान अपने व्यापक अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ इस नई भूमिका को संभालेंगे। जालंधर पहुंचने पर डीबीए सचिव रितिन खन्ना ने गौरव मल्हन का विशेष स्वागत किया। इस अवसर पर खन्ना ने ओलंपियन दीपांकर भट्टाचार्जी का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने मल्हन के जालंधर आने की प्रक्रिया में मदद की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के कोच से स्थानीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण मिलना शहर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही मल्हन के मार्गदर्शन में एक विशेष समर कैंप आयोजित किया जाएगा, जिससे उभरते हुए बैडमिंटन खिलाड़ियों को विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी।

खन्ना ने उत्तर भारत के बैडमिंटन खिलाड़ियों द्वारा पेशेवर प्रशिक्षण के लिए दक्षिण भारत जाने की चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में ट्रेनिंग के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को वित्तीय बोझ,खान-पान, पढ़ाई तथा आवास जैसी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

भारत बैडमिंटन एशिया मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप से बाहर, क्वार्टर फाइनल में जापान से हारा

किंगदाओ (चीन), एजेंसी। पिछले संस्करण का कांस्य पदक विजेता भारत शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान से 3-0 से हारने के बाद बैडमिंटन एशिया मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप से बाहर हो गया।

ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की उभरती हुई मिश्रित युगल जोड़ी और महिला एकल खिलाड़ी मालविका बंसोड़ ने अपने से कहीं अधिक उच्च रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन अंतिम आठ चरण में 2017 में चैंपियनशिप के विजेता जापान के खिलाफ भारत की हार को टाल नहीं सके।

पहले मैच में हिरोकी मिडोरिकावा और नात्सु सैतो की दुनिया की 12वें नंबर की जोड़ी का सामना करते हुए, ध्रुव और तनिषा ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी करते हुए निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन अनुभवी जापानी जोड़ी ने 61 मिनट के मुकाबले में 21-13, 17-21, 21-13 से जीत हासिल कर बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद मालविका को दुनिया की 8वें नंबर की खिलाड़ी तोमोका मियाज़ाकी को रोकने का काम सौंपा गया, लेकिन उनके प्रयास पर्याप्त नहीं थे और वह जापानी स्टार शटलर के खिलाफ़ 21-12, 21-19 से हार गईं।

भारत को एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय की ज़रूरत थी जो उन्हें ट्रैक पर ला सके। 32 वर्षीय प्रणय ने कुछ समय के लिए उन उम्मीदों को ज़िंदा रखा क्योंकि उन्होंने तीसरे और निर्णायक गेम में केंटा निशिमोटो के खिलाफ़ पुरुष एकल मैच जीतने के लिए एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी की। हालांकि, निशिमोटो ने निर्णायक गेम में तेज़ी से शुरुआत की और 6-0 की बढ़त हासिल कर ली। प्रणय ने 3-11 के स्कोर पर वापसी की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और वह एक घंटे 17 मिनट में 14-21, 21-15, 12-21 से हार गए। भारत ने ग्रुप डी के शुरुआती मुकाबले में मकाऊ को 5-0 से हराकर और दक्षिण कोरिया के खिलाफ 2-3 से कड़े मुकाबले में हारकर नॉकआउट चरण में जगह बनाई।

जापान अब फाइनल में जगह बनाने के लिए चीन और हांगकांग के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से खेलेगा। बैडमिंटन एशिया मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में भारत का अभियान सेमीफाइनल में चीन से 2-3 से हार के साथ समाप्त हुआ था और वे महाद्वीपीय टूर्नामेंट से अपना पहला पदक - कांस्य - लेकर स्वदेश लौटे थे।

परिणाम:भारत जापान से 0-3 से हार गया (ध्रुव कपिला/तनिषा क्रैस्टो हिरोकी मिदोरिकावा/नात्सु सैतो से 13-21, 21-17, 13-21 से हार गए; मालविका बंसोड़ टोमोका मियाज़ाकी से 12-21, 19-21 से हार गए; एचएस प्रणय केंटा निशिमोटो से 14-21, 21-15, 12-21 से हार गए।)

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले न्यूजीलैंड को लगा झटका, बड़ा खिलाड़ी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है और बेन सियर्स हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में खेलने से पहले दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जैकब डफी को 15 खिलाड़ियों की टीम में शामिल करके उनके स्थान पर एक और खिलाड़ी को शामिल किया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की है कि बुधवार को कराची में टीम के पहले प्रशिक्षण के दौरान सियर्स को बाएं हैमस्ट्रिंग में दर्द महसूस हुआ। उन्होंने स्कैन कराया जिसमें पता चला कि उनकी हैमस्ट्रिंग में मामूली चोट है, जिसके लिए कम से कम दो सप्ताह तक पुनर्वास की आवश्यकता होगी। पुनर्वास समय-सीमा का मतलब है कि सियर्स संभवतः 2 मार्च को दुबई में भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड के अंतिम ग्रुप ए मैच के लिए समय पर ठीक हो जाएंगे।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने एक बयान में कहा, हम सभी बेन के लिए वास्तव में दुखी हैं। इतनी देर से किसी बड़े आयोजन से बाहर होना हमेशा कठिन होता है, और बेन के मामले में यह विशेष रूप से कठिन है, क्योंकि यह उनका पहला बड़ा द्वुष्टष्ट आयोजन होता। उन्होंने कहा, बेन के फिर से खेलने के लिए फिट होने के लिए समय-सीमा का मतलब है कि वह संभवतः समूह चरण के अधिकांश भाग को मिस कर देगा और टूर्नामेंट की छोटी प्रकृति को देखते हुए हमें लगा कि एक ऐसे खिलाड़ी को लाना उचित होगा जो पूरी तरह से फिट हो और खेलने के लिए तैयार हो। बेन बहुत बड़ी क्षमता वाला खिलाड़ी है, और पुनर्वास की छोटी समय-सीमा को देखते हुए हमें यकीन है कि वह न्यूजीलैंड में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए फिट और खेलने के लिए तैयार होगा।

डफी पाकिस्तान में वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की टीम में शामिल होने के बाद पहले से ही टीम के साथ है। जुलाई 2022 में पदार्पण करने के बाद से डफी ने 50 ओवर के प्रारूप में ब्लैक कैप्स के लिए सिर्फ 10 मैच खेले हैं। 30 वर्षीय खिलाड़ी ने कीवी के लिए अपने 10 मैचों में 25.94 की औसत से 18 वनडे विकेट लिए हैं, जबकि उनकी इकॉनमी 6.25 की रही है। ब्लैक कैप्स के लिए उनका आखिरी प्रदर्शन जनवरी की शुरुआत में हुआ था जिसके दौरान उन्होंने हैमिल्टन में श्रीलंका के खिलाफ 30 रन देकर दो विकेट लिए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025:

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए प्राइज मनी का ऐलान

विजेता को मिलेंगे करोड़ों, हारने वाली टीम भी होगी मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत में अब एक हफ्ते से भी कम का समय बचा है. इस बार यह टूर्नामेंट पाकिस्तान की मेजबानी में हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला जाना है. इसके मुकाबले पाकिस्तान के तीन शहरों (लाहौर, रावलपिंडी, कराची) और दुबई में होंगे. टूर्नामेंट का आगाज 19 फरवरी को कराची में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से होगा. वहीं टीम इंडिया भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश से खेलेगी.

प्राइज मनी में बंपर इजाफा

अब चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए आईसीसी ने प्राइज मनी का ऐलान कर दिया है. चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 की विजेता टीम को 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.46 करोड़ रुपये) मिलेंगे. वहीं उपविजेता टीम को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.73 करोड़ रुपये) मिलेंगे. सेमीफाइनल हारने वाली दोनों टीम को एक समान 560,000 डॉलर (लगभग 4.86 करोड़ रुपये) मिलेंगे.

चैम्पियंस ट्रॉफी में हर मैच मायने रखेगा. ग्रुप स्टेज में मैच जीतने पर टीम को 34000 डॉलर (लगभग 29.53 लाख रुपये) मिलेंगे. जबकि पांचवें एवं छठे स्थान पर रहने वाली टीम को एक समान 350000 डॉलर (लगभग 3.04 करोड़ रुपये) मिलेंगे. जबकि सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीम को एक समान 140000 (लगभग 1.22 करोड़ रुपये) डॉलर मिलेंगे. इसके अलावा सभी आठ टीमों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 125000 डॉलर (लगभग 1.09 करोड़ रुपये) की गारंटी दी जाएगी. आईसीसी इस टूर्नामेंट में कुल 6.9 मिलियन डॉलर (लगभग 60 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि बांटेगी. यह 2017 की तुलना में 53 प्रतिशत ज्यादा है.

चैम्पियंस ट्रॉफी की प्राइज मनी:

विजेता टीम: 2.24 मिलियन डॉलर (19.46 करोड़ रुपये)
रनरअप: 1.24 मिलियन डॉलर (9.73 करोड़ रुपये)
सेमीफाइनलिस्ट: 5,60,000 डॉलर (4.86 करोड़ रुपये)
पांचवें एवं छठे नंबर की टीम- 3,50,000 डॉलर (3.04 करोड़ रुपये)
सातवें या आठवें नंबर की टीम: 1,40000 डॉलर (1.22 करोड़ रुपये)
ग्रुप स्टेज में जीत: 1,40,000 डॉलर (1.22 करोड़ रुपये)
गारंटी मनी: 1,25,000 डॉलर (1.09 करोड़ रुपये)

मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं... चैंपियंस ट्रॉफी से पहले स्टार खिलाड़ी की पत्नी को सबसे सामने क्यों देना पड़ा ऐसा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 19 फरवरी से पाकिस्तान में होने जा रही है. 8 टीमों के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी. लेकिन इस टूर्नामेंट से पहले कई टीमें अपने खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रहे हैं. भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी चोट के चलते चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं. दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया को तो आखिरी मौके पर अपनी टीम में 5 बदलाव करने पड़े हैं. इनमें से एक नाम दिग्गज गेंदबाज मिचेल स्टार्क का भी है. मिचेल स्टार्क ने निजी कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया, जिस पर उनकी पत्नी एलिसा हीली का एक बयान सामने आया है ।

मेदवेदेव ने मार्सिले में सीजन के पहले क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

मार्सिले, एजेंसी । रूसी टेनिट स्टार डेनियल मेदवेदेव ने ओपन 13 प्रोवेंस टेनिस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांसीसी खिलाड़ी पियरे-ह्यूजेस हर्बर्ट को 6-2, 6-4 से हराकर सीजन के पहले क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

यह मुकाबला वर्ल्ड नंबर 8 के लिए खास रहा क्योंकि उन्होंने अपने पहले सर्व पर 90 प्रतिशत अंक जीते। मेदवेदेव के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल की शुरुआत उनके लिए कुछ खास नहीं रही थी। ऑस्ट्रेलियन ओपन में उन्हें दूसरे दौर में ही हार का सामना करना पड़ा था, जहां अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन ने उन्हें हराया था। इसके बाद रोटरडैम में भी वे दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए और वहां इतालवी खिलाड़ी मैटिया बेलुची से हार गए थे। मैच के बाद मेदवेदेव ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में मैं जल्दी हार गया था। मुझे लगा कि जब मैं ऑस्ट्रेलिया में अच्छा खेलता हूं, जो कई बार हुआ है, तो मेरा शरीर पहले से ही थक जाता है। इसलिए मैं थोड़ा धीमा खेलना चाहता था। लेकिन मैंने दो मैच खेले, भले ही वे कठिन थे। उन्होंने कहा कि मार्सिले का टूर्नामेंट उन्हें पसंद है और यहां अच्छा प्रदर्शन करना उनका लक्ष्य है।

वाइल्ड कार्ड मेदवेदेव रोम में मई 2023 में जीतने के बाद से कोई खिताब नहीं जीते हैं। अब क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ से होगा, जिन्होंने ह्यूगो ग्रेनियर को 6-4, 5-7, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। यह मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है। इससे पहले, चीनी खिलाड़ी झांग झिझेन ने बड़ा उलटफेर करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त ह्यूबर्ट हर्काज़ को 6-4, 6-7(1), 6-3 से हराकर अपने करियर का 11वां एटीपी टूर क्वार्टर फाइनल खेला। हार्ड कोर्ट पर शीर्ष 20 खिलाड़ी के खिलाफ यह उनकी पहली जीत थी। इससे पहले, उन्होंने 2023 में टोक्यो में हर्काज़ को हराया था।

अब झांग का सामना बेल्जियम के जिज़ो बर्ग्स से होगा, जिन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त नूनो बोर्गेस को 6-2, 6-7(5), 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

विदर्भ के खिलाफ रणजी सेमीफाइनल में खेल सकते हैं यशस्वी

मुंबई की टीम में नाम शामिल, 17 फरवरी से खेला जाएगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट ओपनर यशस्वी जायसवाल को रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल मुकाबले के लिए मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। रणजी ट्रॉफी 2024-25 के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले 17 फरवरी से खेले जाएंगे। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में मुंबई का सामना विदर्भ से होगा।

यशस्वी इस सीजन एक मैच खेल चुके हैं। यशस्वी ने जम्मू और कश्मीर के खिलाफ रणजी मैच खेला था, जिसमें मुंबई टीम को घरेलू मैदान पर हार मिली थी। उस मैच में रोहित शर्मा भी खेले थे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जनवरी में जब भारतीय टीम का ऐलान हुआ था, तब यशस्वी को शामिल किया गया था। लेकिन, 11 फरवरी को जब फाइनल टीम की घोषणा हुई तो उनकी जगह मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल किया गया। यशस्वी ट्रैवलिंग रिजर्व रहेंगे, उनके साथ शिवम दुबे और मोहम्मद सिराज को भी रिजर्व प्लेयर में शामिल किया गया।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए यशस्वी ट्रैवलिंग रिजर्व रहेंगे

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए मुंबई टीम अजिंक्य रहाणे (कप्तान), आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, अमोघ भटकल, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल, सिद्धेश लाड, शिवम दुबे, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तामोरे (विकेटकीपर), सूर्यांश शेडगे, शार्दूल ठाकुर, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिसूजा, रॉयस्टन डायस, अथर्व अंकोलेकर, हर्ष तन्ना। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में फेल रहे थे यशस्वी को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने विराट कोहली की गैरमौजूदगी में पहला वनडे खेला था। यह यशस्वी का वनडे डेब्यू भी था। उन्होंने रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करते हुए 22 गेंद पर 15 रन बनाए थे। कोहली घुटने की चोट के कारण उस मैच में नहीं खेल पाए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव। रिजर्व- यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज और शिवम दुबे।

सान्या ने मिसेज की वैश्विक सफलता पर दिल से धन्यवाद किया !

मिसेज में सान्या मल्होत्रा के सशक्त अभिनय ने दर्शकों और आलोचकों पर समान रूप से प्रभाव छोड़ा है। यह फिल्म अब स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड कर रही है और इसकी कहानी को बेहद सराहा गया है, वहीं सान्या के पात्र को आत्म-खोज की यात्रा पर एक महिला के रूप में प्रस्तुत करने के लिए उनकी अभिनय की बारीकी की भी तारीफ की जा रही है। फैंस ने सोशल मीडिया पर उनकी परफॉर्मेंस को बेहतरीन बताते हुए इसे अब तक का उनका सबसे बेहतरीन अभिनय करार दिया है, जबकि आलोचकों ने भूमिका में गहराई और प्रामाणिकता लाने की उनकी क्षमता की सराहना की है। अपना आभार व्यक्त करते हुए, सान्या ने एक भावुक संदेश साझा किया, जिसमें दर्शकों को मिसेज को इतने प्यार और समर्थन देने के लिए बहुत धन्यवाद दिया।

उन्होंने स्वीकार किया कि यह भूमिका उनके लिए कितनी व्यक्तिगत थी और दर्शकों को फिल्म की सशक्त कहानी से जुड़ते देखना कितना संतुष्टिदायक है। अपनी रिलीज़ से पहले ही, मिसेज को प्रतिष्ठित पहचान मिल चुकी थी - सान्या ने न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एनवाईआईएफएफ) में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता और मेलबर्न के इंडियन फिल्म फेस्टिवल (आईएफएफएम) और आईएफएफआई गोवा में स्टैंडिंग ओवेशन प्राप्त किया। उनके अभिनय को भावुक और प्रेरणादायक बताते हुए फिल्म के वैश्विक रिसेप्शन के लिए उम्मीदें बढ़ रही है। आलोचनात्मक प्रशंसा और जबरदस्त दर्शकों की सराहना दोनों के साथ, मिसेज का चमकना जारी है, जिसने सान्या मल्होत्रा की सबसे प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थिति को फिर से पुष्टि करते हुए भारतीय सिनेमा के होनहार चेहरों में से एक के रूप में पुष्टि की है।

विशाल ददलानी हुए हादसे का शिकार

रद्द करना पड़ा कॉन्सर्ट, कहा- जल्द वापस आ जाऊंगा

संगीतकार विशाल ददलानी हाल ही एक दुर्घटना का शिकार हो गए। घायल होने की वजह से उन्हें अपना शो भी स्थगित करना पड़ा। यह शो 2 मार्च को होने वाला था, लेकिन अब इसे कैंसिल कर दिया गया है। इस कॉन्सर्ट में उनके साथ शेखर रवजियानी भी प्रस्तुति देने वाले थे। विशाल ने इंस्टाग्राम पर दी जानकारी विशाल ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए फैंस को इस बदलाव की जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने अपनी चोट के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी। उन्होंने लिखा, मेरा छोटा सा एक्सीडेंट हो गया था। जल्द ही मैं वापस आ जाऊंगा। मैं आप सभी को अपडेट देता रहूंगा। इस हादसे के बाद फैंस सोशल मीडिया पर विशाल के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं।

➲आयोजकों ने दी प्रतिक्रिया

कॉन्सर्ट को आयोजित कर रहे जस्ट अर्बन ने भी इस स्थिति पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने जानकारी दी कि विशाल ददलानी का इलाज चल रहा है और वह इस दुर्घटना से उबर रहे हैं। साथ ही, आयोजकों ने यह आश्वासन दिया कि कॉन्सर्ट जल्द ही फिर से तय किया जाएगा।

➲शेखर के साथ मिलकर खूब चलाया जादू

वर्क फ्रंट की बात करें तो विशाल शेखर के साथ मिलकर कई फिल्मों का सुपरहिट संगीत तैयार कर चुके हैं। वह गायक के रूप में भी कई चार्टबस्टर गाने गा चुके हैं। इसके अलावा वह कई सिंगिंग रियलिटी शो में बतौर जज भी नजर आ चुके हैं।

'सनम तेरी कसम' के बाद बॉक्स ऑफिस पर सुनामी लाने जा रही हैं इमरान हाशमी

हाल ही में फिल्म 'सनम तेरी कसम' को एक बार फिर रिलीज किया गया है. फिर से रिलीज होने के बाद ये फिल्म रोज ताबड़तोड़ कमाई भी कर रही हैं. ऐसे में अब इमरान हाशमी की ये 2 फिल्में भी फिर से रिलीज हो रही हैं. फिल्में री-रिलीज होने के चलन ने अब बहुत तेजी पकड़ ली है. अब आए दिन पुरानी फिल्में फिर से रिलीज की जा रही हैं. ऐसी ही एक फिल्म है 'सनम तेरी कसम'. अपने एक्चुअल रिलीज के समय यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी लेकिन आज यह लोगों की पसंदीदा फिल्मों की लिस्ट में शुमार है. इसी तरह अब इमरान हाशमी की ये दो फिल्में री-रिलीज होने वाली हैं. अब देखना ये होगा कि क्या सनम तेरी कसम की तरह ही इमरान हाशमी की ये दो फिल्में भी बॉक्स ऑफिस के रिकार्ड्स तोड़ेंगी या नहीं.

फिल्म सनम तेरी कसम री-रिलीज से हर रोज कमाई का एक नया आयाम रच रही है. यह फिल्म जब 2016 में रिलीज हुई थी, तब इस फिल्म की कमाई न बराबर थी. लेकिन जैसे ही इसे री-रिलीज किया गया तो इसने कमाल ही कर दिया. मात्र चार दिन में इसने 16 करोड़ रुपये के पार कलेक्शन कर लिया है और लगातार बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही हैं. ऐसे में अब चर्चा इमरान हाशमी के इन दो फिल्मों की भी हो रही है, जो जल्द ही री-रिलीज होने जा रही हैं.

मनीषा रानी ने शुरू की डेब्यू शो हाल-ए-दिल की शूटिंग

मनीषा रानी ने हाल-ए-दिल के अपने पहले शो की शूटिंग शुरू की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर बताया कि शूटिंग का पहला दिन है और इसमें सुबह 5:30 बजे का कॉल टाइम था। यह शो रवि दुबे और सरगुन मेहता के बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है।

बिग बॉस ओटीटी फेम मनीषा रानी अपने डेब्यू शो की शूटिंग में जुट गई हैं। मनीषा अपने पहले और नए शो हाल-ए-दिल की शूटिंग शुरू कर चुकी हैं और पहले दिन उन्होंने वीडियो शेयर कर इसकी तैयारी की झलक दिखाई है। मनीषा का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर सामने आया है, जिसमें वो कह रही हैं कि उनकी शूटिंग का ये पहला दिन है। मनीषा इस वीडियो में मोबाइल सामने रखकर बोलती नजर आ रही हैं।

नीली आंखों वाली मोनालिसा का जादू

आवाज ने लूटा दिल, सुरों की जुगलबंदी ने...

नीली आंखों वाली महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई पहुंच चुकीं हैं, और जहां वह अपने करियर को संवारने के लिए खुद को तैयार करने में लगी हुई हैं. वहीं हर रोज उनसे जुड़े वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहे हैं, हाल ही में इस वायरल गर्ल का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह गाना गाती हुई नजर आ रहीं हैं. क्या आपने देखा वीडियो? महाकुंभ में आई एक साधारण सी लड़की जिसने लोगों को ऐसा इंप्रेस किया, कि रातोंरात इंटरनेट पर सेंसेशन बन गई. इसने न सिफ यूजर्स को बल्कि फिल्म इंडस्ट्री का ध्यान भी अपनी ओर खींचा है, वो कोई और नहीं महाकुंभ में माला बेचने आई मोनालिसा है. जिसकी खूबसूरत नीली आंखों की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हुई. जिसके बाद मोनालिसा को न सिर्फ फिल्म मिली, बल्कि कई ऐड और प्रमोशन के ऑफर भी मिले, ऐसे में वायरल गर्ल के इन दिनों कई फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहे हैं.

मोनालिसा ने की जुगलबंदी

जी हां इस वीडियो में मोनालिसा गाना गाती नजर आ रहीं हैं, उन्होंने अपनी सुरीली आवाज से सभी का दिल जीत लिया है. उनकी मधुर आवाज में गाया गया गाना तेरे नयना... सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. मोनालिसा की इस गायकी को सुनकर लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं.

एक्शन फिल्म गांधारी के लिए परफेक्ट हैं तापसी पन्नू: कनिका ढिल्लों

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपकमिंग फिल्म 'गांधारी' में खूब एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म निर्माता-लेखिका कनिका ढिल्लों ने बताया कि तापसी में एक अलग तरह की फुर्ती है, वह एक्शन फिल्म के लिए परफेक्ट हैं। कनिका ने एक्शन सीन्स को बेहतरीन तरीके से निभाने के लिए तापसी की सराहना की। उन्होंने कहा, टीम एक सीन की शूटिंग कर रही थी, जिसमें तापसी के किरदार को एक दीवार पर चढ़ना था।बिना किसी बॉडी डबल या रिहर्सल के (हालांकि सभी सुरक्षात्मक उपाय अपनाए गए थे) तापसी एक ही टेक में पैंथर की तरह दीवार पर चढ़ गईं!

मैं उस दिन सेट पर थी और जैसे ही शॉट कट हुआ, पूरा सेट तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा! उन्होंने कहा, यह देखना काफी प्रभावशाली था, तापसी में एक खास तरह की फुर्ती और चपलता है, जो उन्हें 'गांधारी' के लिए एकदम सही बनाती है। वह इस तरह के किरदार से सभी को आश्चर्यचकित करने जा रही हैं, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। कनिका ने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, इश्वाक के फिल्म से जुड़ने से फिल्म में प्रतिभा की एक नई लहर और कहानी में कई परतें जुड़ी हैं और मैं दर्शकों को देवाशीष मखीजा के अद्भुत निर्देशन में तैयार और तापसी-इश्वाक स्टारर जादू को दर्शकों के सामने रखने के लिए उत्साहित हूं। 'गांधारी' एक रोमांचक कहानी का वादा करती है, जिसके बैकग्राउंड में मनोरंजन, रहस्य और हाई एक्शन हैं। दर्शक तापसी पन्नू को एक मिशन पर निकली ऐसी मां के किरदार में देखेंगे, जो मजबूत है। कनिका ढिल्लों तापसी के साथ कई फिल्मों में साथ काम कर चुकी हैं, जिनमें 'मनमर्जियां', 'हसीन दिलरुबा', 'फिर आई हसीन दिलरुबा' शामिल हैं। कनिका ढिल्लों के बैनर कथा पिक्चर्स के बैनर तले 'गांधारी' का निर्माण हुआ है, जिसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं। तापसी की बात करें तो वह आखिरी बार मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी 'खेल खेल में' फिल्म में नजर आई थीं। साल 2016 की रिलीज इतालवी फिल्म 'परफेक्ट स्ट्रेंजर्स' पर बनी फिल्म में तापसी के साथ अक्षय कुमार, फरदीन खान, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल अहम रोल में हैं।

आईफा 2025 में शामिल होंगी कैटरीना कैफ

अभिनेत्री कैटरीना कैफ अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (आईफा) अवॉर्ड्स 2025 में शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि वह इस इवेंट में शामिल होने के लिए उत्साहित हैं। आईफा इस साल अपनी सिल्वर जुबली मना रहा है। आईफा के साथ अपने लगाव को व्यक्त करते हुए कैटरीना ने इस कार्यक्रम को अपने लिए बेहद खास बताया। अभिनेत्री ने कहा, आईफा हमेशा मेरे लिए एक ग्लोबल इवेंट मात्र से कहीं बढ़कर रहा है। यह प्यार, उत्साह और शानदार पलों से भरा सफर है, जिसने सिनेमा और मेरे प्रशंसकों के साथ मेरे जुड़ाव को आकार दिया है। मुझे शुरू से ही यह सहज लगता है, यह एक ऐसी जगह है, जहां हम भारतीय सिनेमा के जादू, कहानी कहने के जुनून और वैश्विक मंच पर एक साथ आने की खुशी का जश्न मनाते हैं। कैटरीना ने कहा, मेरा आईफा का सफर कभी न भूल पाने वाली यादों से भरा रहा है और इस सिल्वर जुबली का हिस्सा बनना वाकई सम्मान की बात है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आईफा वीकेंड और अवार्ड्स में भारतीय सिनेमा के शानदार 25 वर्षों का जश्न मनाना रोमांचक है।

रजनीकांत के फैंस बोले-

विजय को अंडों से मारो...

फैंस के झगड़ों के बीच अक्सर सेलेब्रिटी अपने आपको फंसा हुआ पाते हैं। ताजा उदाहरण सुपरस्टार रजनीकांत का है। वह बिना किसी वजह के एक मामले में उलझ गए हैं। इल्जाम है कि उनके फैंस ने अभिनेता विजय पर अभद्र टिप्पणी की है। इसके बाद रजनीकांत की टीम ने अभिनेता विजय के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया है। इस बयान में कहा गया है कि रजनीकांत अपने साथी एक्टर के बारे में नकारात्मक टिप्पणी को पसंद नहीं करते हैं।

विवाद तब पैदा हुआ जब थलाइवा और विजय के फैंस के बीच विवाद हुआ। विवाद के बाद रजनीकांत की टीम को इस मामले पर अपना रुख साफ करना पड़ा। रजनीकांत की टीम ने एक स्टेटमेंट जारी किया जिसमें तथाकथित रजनीकांत के फैंस की तरफ से एक्टर विजय पर की गई बयानबाजी की निंदा की गई। टीम की तरफ से कहा गया कि यह बयान स्वीकार करने लायक नहीं है और ये रजनीकांत के फैंस की मर्यादाओं के खिलाफ हैं। स्टेटमेंट में आगे कहा गया कि इस तरह की हानिकारक सामग्री को बार-बार साझा करने से सिर्फ विभाजन होगा और दुश्मनी ही बढ़ेगी। मीडिया और सोशल मीडिया नेटवर्क को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और ऐसे विवादों को टालने की कोशिश करनी चाहिए। स्टेटमेंट में इस बात पर जोर दिया गया कि सिनेमा का मकसद लोगों को जोड़ना है, न कि उन्हें अगल करना। स्टेटमेंट में गुजारिश की गई कि अपने स्टार्स के साथ तमीज से जश्न मनाएं।

रणवीर अल्लाहबादिया के अश्लील कमेंट पर पंकज त्रिपाठी की दो टूक

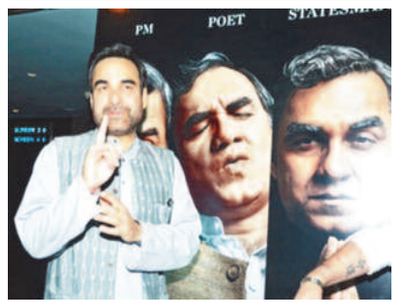

पंकज त्रिपाठी ने रणवीर अल्लाहबादिया के मामले पर रिएक्ट किया है और इनफ्लूएंसर को दो टूक जवाब दिया। पंकज त्रिपाठी ने कहा कि अगर आपके शब्दों में पावर है तो अपनी जिम्मेदारी को ढंग से निभाएं। बेहूदा और बकवास बातें करने में कोई गर्व की बात नहीं और ये एंटरटेनमेंट भी नहीं है।

रणवीर अल्लाहबादिया ने जबसे समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट में पैरेंट्स को लेकर अश्लील कमेंट किया, तभी से हर तरफ हो-हल्ला मचा है। देशभर में उनके खिलाफ कई शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं और हर कोई उन पर गुस्सा निकाल रहा है। यहां तक कि रणवीर के कमेंट ने राजनीति की दुनिया में भी हलचल मचा दी है और डिजिटल स्पेस पर सेंसरशिप की मांग उठने लगी है।

हालांकि, जहां कई सेलेब्स ने इस अश्लील कमेंट मामले में जहां रणवीर अल्लाहबादिया और समय रैना को सपोर्ट किया है, वहीं कुछ ने गुस्सा भी निकाला है। इन्हीं में एक नाम एक्टर पंकज त्रिपाठी का भी है।

पंकज त्रिपाठी ने बातचीत के दौरान रणवीर अल्लाहबादिया के कमेंट पर रिएक्ट किया और कहा कि बेहूदगी करने में कोई गर्व की बात नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इंटरनेट की दुनिया में हर कोई कैसे हर किसी से प्रभावित हो रहा है।

साभार एजेंसी

महाशिवरात्रि को समर्पित है आदिनाथ शंभू, कैलाश खेर बोले- बहुत खास है

गायक कैलाश खेर जल्द ही प्रशंसकों के लिए नया ट्रैक 'आदिनाथ शंभू' लेकर आ रहे हैं। खेर का नया गाना महाशिवरात्रि के अवसर पर रिलीज होगा। उन्होंने बताया कि यह गाना भगवान भोलेनाथ को समर्पित है, जो कि बेहद खास है। खेर ने बताया कि भगवान भोलेनाथ को समर्पित गाने के साथ और भी खास बातें जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा, 'आदिनाथ शंभू' गीत महाशिवरात्रि के अवसर पर रिलीज होगा, जिसकी रिकॉर्डिंग चल रही है। सबसे अच्छी बात यह है कि भगवान भोलेनाथ को समर्पित गाने को मेरे बड़े भाई शांतनु मुखर्जी, जिन्हें हम प्यार से शान कहते हैं, इस प्रोजेक्ट को लीड कर रहे हैं। उन्होंने इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट दी है और हमें उनपर गर्व है। खेर ने आगे बताया, इस गाने की एक और खास बात यह है कि इसमें सोनू निगम की बहन मीनल निगम भी शामिल हैं। वह हमारे लिए भी बहन की तरह हैं। अगम साहब भी इस टीम में शामिल हैं। उनकी उपस्थिति से हमारा स्टूडियो कैलाश और भी धन्य हो गया। यह एक खूबसूरत पल है। शान भाई ने रिकॉर्डिंग शुरू कर दी है और अब हम ट्रैक को लेयर करेंगे।